गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 357
दि. 30.04.2026,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

पीएम मोदी ने मेरठ को प्रयागराज से जोड़ने वाले गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया

हरदोई, (जीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार गंगा हजारों वर्षों से उत्तर प्रदेश की जीवनरेखा रही है, उसी प्रकार यह एक्सप्रेसवे भी राज्य के विकास की नई जीवनरेखा बनेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बुनियादी ढांचा देश की तीव्र प्रगति और महत्वाकांक्षा को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश के एक छोर को दूसरे छोर से जोड़ता है, जिससे क्षेत्रीय संपर्क में उल्लेखनीय सुधार होगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के विशाल अवसरों को राज्य के विभिन्न हिस्सों के करीब लाएगी।

गंगा नदी के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसके आसपास से गुजरने वाले आधुनिक एक्सप्रेस-वे विकास की नई धमनियां बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी परियोजनाएं उत्तर प्रदेश के विकास को गति देने और भारत के उज्ज्वल भविष्य में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बंगाल में दूसरे चरण का मतदान जारी है और रिपोर्टों से पता चला है कि पहले चरण की तरह ही बड़ी संख्या में लोग वोट डाल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह लोकतंत्र के लिए एक अच्छा संकेत है। उन्होंने पश्चिम बंगाल के नागरिकों से लोकतंत्र के इस उत्सव में पूरे उत्साह के साथ भाग लेने की अपील की।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश में सबसे अधिक एक्सप्रेसवे वाला राज्य बन गया है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन वाली सरकार ने न केवल परियोजनाओं की आधारशिला रखी बल्कि समय पर उनके पूरा होने और उद्घाटन को भी सुनिश्चित किया। प्रधानमंत्री ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध करके महिलाओं के साथ विश्वासघात

करने के लिए समाजवादी पार्टी की आलोचना भी की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री की दूरदृष्टि के कारण राज्य में उन्नत बुनियादी ढांचा विकास को गति दे रहा है। उन्होंने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे से उत्तर प्रदेश के प्रमुख क्षेत्रों में संपर्क में उल्लेखनीय सुधार होगा। इस परियोजना को उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक्सप्रेसवे से औद्योगिक विकास, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर खुलेंगे।

हाई-स्पीड कॉरिडोर से उत्तर प्रदेश में संपर्क में उल्लेखनीय वृद्धि होने की आशा है, साथ ही औद्योगिक निवेश, रसद, कृषि विपणन और क्षेत्रीय संतुलन को भी बढ़ावा मिलेगा। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित गंगा एक्सप्रेसवे, उत्तर प्रदेश के पश्चिमी, मध्य और पूर्वी क्षेत्रों को एक ही हाई-स्पीड कॉरिडोर से जोड़ेगा। यह राज्य का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे होगा। इससे मेरठ और प्रयागराज के बीच यात्रा का समय लगभग 12 घंटे से घटकर लगभग 6 घंटे हो जाएगा।

यह एक्सप्रेसवे 12 जिलों मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज से होकर गुजरेगा। इसमें शाहजहांपुर में साढे तीन किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी भी शामिल है, जो भारतीय वायु सेना के विमानों के आपातकालीन उड़ान भरने और उतरने में सहायता करेगी।

इस परियोजना से औद्योगिक विकास, व्यापार, कृषि और पर्यटन सहित कई क्षेत्रों को बढ़ावा मिलने और पूरे क्षेत्र में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सुबह श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन किए।

गंगा एक्सप्रेसवे लोकार्पण पर पीएम ने यूपीडा प्रदर्शनी का किया अवलोकन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को गंगा एक्सप्रेसवे के लोकार्पण के अवसर पर उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया और राज्य में विकसित हो रहे एक्सप्रेसवे नेटवर्क, औद्योगिक संभावनाओं तथा सांस्कृतिक विरासत के संगम की जानकारी ली।

प्रधानमंत्री ने 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण करने के बाद इस प्रदर्शनी का निरीक्षण किया। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें प्रदेश में तैयार हो रहे एक्सप्रेसवे नेटवर्क, उनकी रणनीतिक उपयोगिता और भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पीएम मोदी ने वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह का लिखा एक आलेख साझा किया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह का लिखा एक आलेख साझा किया, जिसमें जूता उद्योग में तकनीकी वस्त्रों की भूमिका और एकीकरण पर प्रकाश डाला गया है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में श्री मोदी ने कहा कि लेख से स्पष्ट होता है कि जूता उद्योग में तकनीकी वस्त्रों का उपयोग नई अवधारणा नहीं है, बल्कि यह पहले से ही उद्योग का अभिन्न अंग है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्तमान चुनौती इस एकीकरण को पहचानना, व्यवस्थित करना और इसे व्यापक स्तर पर लागू करना है ताकि जूता उद्योग को तकनीकी वस्त्रों के समग्र ढांचे में और अधिक स्पष्टता से शामिल किया जा सके।

पीएम नरेन्द्र मोदी ने विधायक नीलकंठ तिवारी सहित अन्य नेताओं से की मुलाकात, जाना अपनी काशी का हाल

(जीएनएस)।

वाराणसी। शहर दक्षिणी विधायक नीलकंठ तिवारी की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अनोखी मुलाकात बाबा दरबार में हुई। इस अवसर पर अनिल राजभर, सौरभ श्रीवास्तव और मेयर अशोक तिवारी भी उपस्थित रहे। पीएम मोदी को भेंट स्वरूप मंदिर की प्रतिकृति, डमरू गमछा और त्रिशूल प्रदान किया गया। इस दौरान एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई, जिसमें पीएम मोदी ने नीलकंठ तिवारी के पीठ को हल्का सा ठोंका। इस पर नीलकंठ तिवारी झुक गए, जिससे पीएम की आत्मीयता से भरी यह भावपूर्ण मुद्रा चर्चा का विषय बन गई।

बता दें कि नीलकंठ तिवारी का विधानसभा क्षेत्र काशी विश्वनाथ धाम के क्षेत्र में आता है। सुबह बाबा दरबार में दर्शन पूजन करने पहुंचे पीएम मोदी ने विधायकों और मेयर से मुलाकात की और काशी का हाल भी जाना। इस मुलाकात में पीएम मोदी ने स्थानीय मुद्दों पर चर्चा की और विकास कार्यों की प्रगति के बारे में जानकारी ली। वहीं बाबा दरबार में उन्होंने भक्तों का भी अभिवादन स्वीकार किया।

प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा काशी के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि उन्होंने स्थानीय नेताओं के साथ मिलकर विकास योजनाओं पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने काशी के सांस्कृतिक धरोहर और धार्मिक महत्व को भी रेखांकित किया। पीएम मोदी ने कहा कि काशी का विकास केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि स्थानीय लोगों की भागीदारी भी आवश्यक है।

नीलकंठ तिवारी ने पीएम मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन से काशी में विकास की नई ऊँचाइयाँ छुई जा सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पीएम मोदी का काशी आना स्थानीय

बंगाल की वोटिंग के बीच डेरेक ओ 'ब्रायन ने पीएम मोदी को किया चैलेंज, बोले- 'आपमें दम है तो...'

अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (TMC) के नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने खुद कहा था कि वे बंगाल की सभी 294 सीटों पर उम्मीदवार हैं, इसलिए अब उन्हें बड़ी-बड़ी बातें छोड़कर सीधी चुनौती स्वीकार करनी चाहिए. डेरेक ओ ब्रायन ने आगे कहा कि अगर 4 मई को ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस पश्चिम बंगाल में जीत हासिल करती है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए.

नारी गरिमा का आज हर स्तर पर हो रहा सम्मानः सीएम योगी

(जीएनएस)।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में शामिल हुए. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि महिलाओं को उनके अधिकार से बहुत अधिक दिनों तक कोई वंचित नहीं रख सकता. यह नारी शक्ति के द्वारा भीख नहीं मांगी जा रही है, उसका यह स्वतः सिद्ध अधिकार है, जिसको आजादी के बाद से ही लटकाने का प्रयास हो रहा था. उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आधी आबादी के प्रति कृत ज्ञापित करते हुए अभियान प्रारंभ किया है. पीएम मोदी का मानना है कि जहां नारी सशक्त होती है तो वह परिवार अपने आप में समर्थ होता है. जब परिवार समर्थ होता है तो समाज की नींव सुदृढ़ होती है. और, इससे राष्ट्र शक्तिशाली और समृद्ध होता है.

गोरखपुरः मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पहले सपा सरकार में मध्य और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लोगों ने बेटियों को स्कूल भेजना बंद कर दिया था। लेकिन आज बेटियां बिना रोकटोक के स्कूल जा रही हैं। उन्होंने कहा कि 1947 से लेकर 2017 तक यूपी पुलिस में सिर्फ 10 हजार महिलाओं की भर्ती हुई थी, जबकि 2017 के बाद यह संख्या 44 से 45 हजार है। प्रदेश में पुलिस भर्ती होने पर 20 प्रतिशत महिलाओं की भर्ती को अनिवार्य कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि 2017 के बाद से नौ लाख से अधिक सरकारी नौकरियों में भर्ती हुई हैं और इनमें पौने दो लाख महिलाएं भर्ती हुई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि एमएसएमई रिवाइवल से 3 करोड़ से

अधिक लोगों को रोजगार मिला है, प्रदेश में 21 हजार से अधिक स्टार्टअप शुरू हुए हैं और इनमें आधी भागीदारी महिलाओं की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नारी गरिमा और उसकी महत्ता को हर स्तर पर सम्मान देते हुए आगे बढ़ाने का काम देश में 2014 के बाद पीएम मोदी के नेतृत्व में शुरू हुआ है। सीएम ने बताया कि प्रदेश में भी महिलाओं के सम्मान में बिटिया के जन्म से लेकर स्नातक तक की पढ़ाई के लिए मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना चलाई जा रही है। 26 लाख बेटियां वर्तमान में इस योजना का लाभ ले रही हैं। बाल विवाह और दहेज की कुप्रथा को रोकने के लिए सामूहिक विवाह योजना चल रही है।

प्रदर्शनी का सीएम ने किया अवलोकन

नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को संबोधित करने से पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह के सामने महिला कल्याण और विकास पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में गोरखपुर के विकास के साथ ही राज्य में मिशन शक्ति, लखपति दीदी, निराश्रित महिला पेंशन, कन्या सुमंगला, सामूहिक विवाह सहित अनेक योजनाओं की उपलब्धियों को दशार्या गया था।

मुख्यमंत्री ने सरकार की योजनाओं के संबल से आत्मनिर्भरता की राह पकड़ने वाली महिलाओं का उत्साहवर्धन भी किया। उन्होंने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर स्वावलंबी बनीं महिलाओं की तरफ से लगाए गए स्टालों का निरीक्षण किया। इन स्टालों पर प्रदर्शित विभिन्न उत्पादों का अवलोकन कर जानकारी ली और महिलाओं को खूब तरक्की करने के लिए प्रेरित किया।

नौनिहालों का कराया अन्नप्राशन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिला कल्याण और बाल विकास विभाग के स्टाल का भी अवलोकन किया। बाल विकास के स्टाल पर उन्होंने नौनिहालों का अन्नप्राशन भी कराया। उन्होंने बच्चों को खीर खिलाने के बाद उन्हें आशीर्वाद और उपहार दिया।

कार्यक्रम में गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो। पूनम टंडन, पूर्व महापौर अंजू चौधरी, डा। सत्या पांडेय, गोरखपुर विश्वविद्यालय की प्रो। विनीता पाठक, प्रो। उमा श्रीवास्तव, डा। रंजना, वरिष्ठ अधिवक्ता अमिता शर्मा, समाजसेवी सुधा मोदी, महिला उद्यमी संगीता पांडेय, भाजपा महिला मोर्चा की क्षेत्रीय अध्यक्ष अमिता गुप्ता, महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष अस्मिता चन्द, जिला अध्यक्ष चंचला शुक्ला, रंजुला रावत, अनुपमा पांडेय, गीतांजलि श्रीवास्तव सहित महिला नगर पंचायत अध्यक्ष, महिला ब्लाक प्रमुख, महिला पार्षद मंचासीन रहीं। इस अवसर पर व्यवस्थागत सहयोग में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डा। धर्मेंद्र सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, विधायक राजेश त्रिपाठी, विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, डा। विमलेश पासवान, प्रदीप शुक्ल, सरवन निषाद, भाजपा के जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी, महानगर संयोजक राजेश गुप्ता आदि की सक्रिय सहभागिता रही।

महिला सशक्तिकरण पर राजनीति न होः नारी शक्ति वंदन अधिनियम जल्द लागू करने का आह्वान, विधानसभा के विशेष सत्र में बोले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

(जीएनएस)।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संसद और राज्य विधानसभाओं में 33% महिला आरक्षण सुनिश्चित करने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम को शीघ्र लागू करने का आह्वान किया है। उन्होंने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जेंडर बजटिंग की प्रगति पर प्रकाश डाला, विपक्षी दुष्प्रचार के खिलाफ चेतावनी दी, और महिलाओं के सशक्तिकरण और स्वयं सहायता समूहों के लिए राज्य-स्तरीय पहलों की रूपरेखा तैयार की।\

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि महिला सशक्तिकरण के प्रयासों पर किसी भी प्रकार की राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने यह बात नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर चर्चा के लिए आयोजित विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए कही। इस सत्र का विषय 'नारी सम्मान झ लोकतंत्र में अधिकार' रखा गया था।

मुख्यमंत्री धामी ने सदन के समक्ष प्रस्ताव रखा कि संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के उद्देश्य से लाए गए नारी शक्ति वंदन अधिनियम को जल्द लागू करने के लिए केंद्र सरकार के प्रयासों के समर्थन में सर्वसम्मत संकल्प पारित किया जाए। उन्होंने कहा कि महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने के लिए सभी राजनीतिक दलों को एकजुट होकर सहयोग करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आज की नारी केवल सहभागिता तक सीमित नहीं है, बल्कि नेतृत्व की भूमिका निभा रही है। इसी सोच के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम प्रस्तुत किया, जिसमें लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों ने इस ऐतिहासिक पहल को संसद में पारित नहीं होने दिया।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि विपक्ष महिला आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषय पर जनता को भ्रमित करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में स्पष्ट किया था कि परिसीमन के दौरान किसी भी राज्य के साथ भेदभाव नहीं होगा और सीटों की संख्या बढ़ाने का प्रावधान भी बिल में शामिल है। उन्होंने आरोप लगाया कि दशकों तक सत्ता में रहने के बावजूद विपक्ष ने महिलाओं को उनका अधिकार देने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए।

महिला सशक्तिकरण के लिए केंद्र की पहलें

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी गई है। पिछले 11 वर्षों में जेंडर बजट में पांच गुना से अधिक वृद्धि हुई है। वर्ष 2026-27 के बजट में महिलाओं और बालिकाओं के कल्याण के लिए 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 12 प्रतिशत अधिक है।

उन्होंने बताया कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के चलते लिंगानुपात में सुधार हुआ है और बालिका शिक्षा में वृद्धि दर्ज की गई है।

21वीं सदी में भारत की तरक्की का असली राजः क्या 2047 तक ऊर्जा की पहुंच (बिजली) की कमी रोकेगी देश की रफ्तार?

(जीएनएस)।

अदाणी ग्रुप के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सागर अदाणी ने मंगलवार को कहा कि 21वीं सदी में किसी भी देश की मजबूती इस बात से तय होगी कि वहां ऊर्जा की पहुंच कैसी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत के भविष्य के विकास और बड़े लक्ष्यों को हासिल करने के लिए बड़े पैमाने पर भरोसेमंद और सस्ती बिजली का बुनियादी ढांचा तैयार करना बेहद जरूरी है।

नई दिल्ली में आयोजित एक इंटरनेशनल समिट में बोलते हुए सागर अदाणी ने कहा कि हाल के वैश्विक संघर्षों और सप्लाई चेन में आई बाधाओं ने यह दिखा दिया है कि एनर्जी सेक्टर में आने वाले झटके किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को रातों-रात कैसे प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अब किसी भी देश के सामने चुनौती सिर्फ विकास की नहीं है, बल्कि संकट के समय खुद को संभाले रखने की क्षमता विकसित करने की भी है।

भारत को एक 'आकांक्षी राष्ट्र' बताते हुए उन्होंने कहा कि देश की युवा आबादी, किसान और उद्यमी एक मजबूत आर्थिक भविष्य की नींव रख रहे हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया कि सिर्फ आकांक्षाओं के दम पर देश नहीं बनते, इसके लिए ऊर्जा की

एक ठोस बुनियाद का होना अनिवार्य है। सागर अदाणी के मुताबिक, भारत में विकास से जुड़ी लगभग हर बड़ी चुनौती ऊर्जा से जुड़ी है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जल सुरक्षा के लिए पानी को साफ करने और उसके वितरण के लिए बिजली चाहिए, खाद्य सुरक्षा के लिए खाद, सिंचाई और लॉजिस्टिक्स जरूरी है, वहीं डिजिटल ग्रोथ के लिए डेटा सेंटर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को भी भारी मात्रा में बिजली की जरूरत होती है।

उन्होंने इस बात की ओर भी ध्यान दिलाया कि भारत में प्रति व्यक्ति ऊर्जा की खपत अभी भी वैश्विक औसत से काफी कम है, जो भविष्य में होने वाली भारी मांग का संकेत है। उन्होंने कहा कि अगर भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखता है, तो हमें बिजली उत्पादन क्षमता में मामूली बढ़ोतरी के बजाय एक बड़ी छलांग लगानी होगी।

सागर अदाणी ने कहा कि अगले दो दशकों में भारत को लगभग 2,000 गीगावाट नई क्षमता की जरूरत पड़ सकती है। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि यह ऊर्जा सस्ती, सुलभ और स्वच्छ हो।

दुनिया के अन्य देशों का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जिन देशों ने खुद को मजबूत बनाया है, उन्होंने अपनी ऊर्जा जरूरतों को या तो आत्मनिर्भरता से या रणनीतिक साझेदारी से पूरा किया है।

उन्होंने जोर दिया कि भारत को बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रिफिकेशन (विद्युतीकरण) पर ध्यान देना चाहिए, ताकि आयातित ऊर्जा पर निर्भरता कम हो और देश का अपना एनर्जी बैकबोन तैयार हो सके। उनके अनुसार, लंबे समय तक आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए इलेक्ट्रिफिकेशन ही सबसे भरोसेमंद रास्ता है।

सागर अदाणी ने ऊर्जा के अलग-अलग स्रोतों के इस्तेमाल की वकालत करते हुए कहा कि भारत को रिन्यूएबल एनर्जी, हाइड्रो, कुशल थर्मल और न्यूक्लियर पावर का पूरा लाभ उठाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हालांकि रिन्यूएबल एनर्जी तेजी से बढ़ रही है, लेकिन जमीन की उपलब्धता और निरंतरता जैसी चुनौतियों को देखते हुए एक संतुलित पोर्टफोलियो होना जरूरी है।

सम्पादकीय

गुजरात नगर निकाय और पंचायत चुनाव में कमल का जलवा

गुजरात नगर निकाय और पंचायत चुनाव में फिर खिला कमल, गुजरात की राजनीतिक जमीन पर एक बार फिर भाजपा ने अपनी मजबूत पकड़ दिखा दी है। अगले साल विधानसभा चुनावों से ठीक पहले हुए नगर निकाय और पंचायत चुनावों में भाजपा ने जबरदस्त प्रदर्शन किया, जिससे विपक्षी दलों के चेहरों पर हताशा छा गई। इस बार वुल पंद्रह नगर निगमों, 94 नगर पालिकाओं, चौंतीस जिला पंचायतों और ढाई सौ साठ तालुका पंचायतों में मतदान हुआ। नवसारी, गांधीधाम, मोरबी और वापी समेत नौ नए नगर निगमों में भी पहली बार वोट पड़े, और इन सबमें भाजपा ने कमाल कर दिखाया। मतदान में करीब अठारह लाख मतदाताओं ने हिस्सा लिया, जो वुल मतदाताओं का पचपन प्रतिशत से ज्यादा है। बड़े शहरों में भाजपा को खासा समर्थन मिला, जिसने पाटा को मनोवैज्ञानिक बढ़त दे दी। यह जीत न केवल स्थानीय मुद्दों पर वेंद्रित रही, बल्कि विकास, बुनियादी सुविधाओं और शासन की दक्षता पर जनता के भरोसे को भी उजागर करती है। विपक्षी दल, खासकर कांग्रेस, को इन चुनावों में करारी शिकस्त मिली, जो उनकी कमजोर संगठन क्षमता और जनाधार खोने का संकेत देती है। इस जीत ने गुजरात की जनता के मनोबल को ऊंचा कर दिया है। भाजपा कार्यकताओं में उत्साह की लहर दौड़ गई है, जबकि विपक्षी खेमे में सन्नाटा पसर गया। राज्य सरकार के विकास कार्यो, जैसे सड़वें, पानी की आपरूति, स्वच्छता अभियान और बिजली व्यवस्था पर जनता का विश्वास मजबूत हुआ है। बड़े शहरों में भाजपा ने न केवल सीटें हथियाईं, बल्कि पार्षदों की संख्या में भी भारी बढ़ोतरी की। छोटे नगरों और ग्रामीण इलाकों में भी यही कहानी दोहराई गई। यह चुनाव गुजरात मॉडल के पक्ष में एक बड़ा स्टांप लगाने जैसा साबित हुआ। जनता ने साफ संदेश दिया कि स्थानीय स्तर पर शासन की गुणवत्ता ही असली मुद्दा है। भाजपा ने जातिगत समीकरणों को तोड़ते हुए व्यापक समर्थन जुटाया, जो उसके संगठन की ताकत को दशार्ता है। नगर निगम चुनावों में भाजपा ने अपनी ताकत का पूर्ण प्रदर्शन किया। पंद्रह नगर निगमों में से अधिकांश में भाजपा ने साफ बहुमत हासिल कर लिया। अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा, राजकोट जैसे प्रमुख शहरों में भाजपा ने पार्षदों की भारी संख्या जीती। इन शहरों में विकास कार्यो का श्रेय लेकर भाजपा ने मतदाताओं का दिल जीत लिया। उदाहरण के लिए, अहमदाबाद नगर निगम में भाजपा ने वुल सीटों में से आधे से ज्यादा पर कब्जा जमाया। सूरत में भी यही हाल रहा, जहां व्यापारी वर्ग ने भाजपा को जमकर समर्थन दिया। नए नगर निगमों जैसे गांधीधाम और वापी में पहली बार चुनाव होने पर भाजपा ने सारी सीटें जीत लीं। यह नई जगहों पर भी पाटा की पैठ बढ़ने का प्रमाण है। कांग्रेस को इन चुनावों में बुरी तरह पछाड़ा गया। जहां भाजपा ने बड़े शहरों में मजबूत बढ़त बनाई, वहीं कांग्रेस को छोटे-मोटे लाभ ही मिले। सूरत और वडोदरा जैसे शहरों में कांग्रेस का खाता तक नहीं खुला। आम आदमी पाटा ने भी वुछ जगहों पर कोशिश की, लेकिन नतीजे निराशाजनक रहे। जनता ने कांग्रेस को ठुकरा दिया क्योंकि पाटा स्थानीय मुद्दों पर कमजोर रही। भाजपा ने स्वच्छता, सीवरेज व्यवस्था और सड़क निर्माण जैसे कार्यो पर जोर देकर मतदाताओं को आर्कषित किया। मतदान प्रतिशत पचपन से ऊपर रहने से साफ पता चलता है कि शहरी मतदाता सव्रिय थे और उन्होंने भाजपा के पक्ष में पैसला लिया। यह जीत भाजपा को अगले विधानसभा चुनावों में शहरी सीटों पर मजबूत स्थिति देगी। विपक्ष को अब आत्ममंथन करना होगा कि आखिर जनता ने उन्हें क्यों नकार दिया। उधर, पंचायत चुनावों ने भाजपा की ग्रामीण पकड़ को और पुख्ता कर दिया। चौंतीस जिला पंचायतों और ढाई सौ साठ तालुका पंचायतों में भाजपा ने बहुमत हासिल किया। ग्रामीण इलाकों में पानी की व्यवस्था, बिजली पहुंच, स्वूलों का निर्माण और वृषि योजनाओं पर भाजपा के प्रयासों को जनता ने सराहा। जिला पंचायतों में भाजपा ने साठ प्रतिशत से ज्यादा सीटें जीतीं। तालुका स्तर पर भी यही ट्रेंड दिखा। छोटे गांवों से लेकर बड़े तहसील मुख्यालयों तक भाजपा का बोलबाला रहा।

हमारी सरकार देश की नीति-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार की दोपहर वाराणसी पहुंचे, इस दौरान बरेका में 'जन-आक्रोश महिला सम्मेलन' को भी उन्होंने संबोधित किया। वहीं विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण भी उन्होंने किया। बुधवार की सुबह काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन भी करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार दोपहर 1.30 बजे अपने तीसरे कार्यकाल में छठवीं बार अपने संसदीय क्षेत्र काशी के दो दिवसीय दौरे पर लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बाबतपुर पहुंचे। इस दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल सहित भाजपा पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। काशी में वह शाम पांच बजे बरेका में 'जनआक्रोश महिला सम्मेलन' को संबोधित करने पहुंचे। मंच से नारी वंदन संशोधन विधेयक को लेकर उन्होंने अपनी बात भी रखी। इसके पूर्व मंच पर वह खुली जीप में पहुंचे तो समर्थकों ने उत्साह में खूब नारे भी लगाए। आयोजन के दौरान मंच पर महिलाएं भी मौजूद रहीं तो वहीं उन्होंने अरबों की योजनाओं का लोकार्पण- शिलान्यास भी किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आपने उत्तर प्रदेश में हालात बदलते हुए अपनी आंखों से देखा है। कुछ साल पहले, जब समाजवादी पार्टी सत्ता में थी, महिलाओं के लिए घर से बाहर निकलना भी मुश्किल था। लेकिन भाजपा के सत्ता में आने के बाद, बेटियों के प्रति दुर्भावना रखने वाला कोई भी व्यक्ति अच्छी तरह जानता है कि इसके क्या परिणाम होंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि , "घर में महिलाओं को सशक्त बनाना पूरे परिवार को मजबूत बनाता है। इससे समाज और देश मजबूत होते हैं। अतीत में बहनों और बेटियों को बहुत संघर्ष करना पड़ा। काशी की आप बहनों ने भी कई कठिनाइयों का सामना किया है। बेटियों को अक्सर कई सवालों का सामना करना पड़ता था। आप क्या कर रही हैं? इससे आपको क्या मिलेगा? आपको इसकी क्या जरूरत है?... और कभी-कभी तो सवाल भी नहीं पूछे जाते थे। सीधे-सीधे आदेश दे दिए जाते थे कि यह आपकी क्षमता से परे है। देश की अधिकांश बहनों और बेटियों ने इसी तरह के अनुभव किए हैं। जब मैं 25 साल पहले गुजरात का मुख्यमंत्री बना, तो मैंने सबसे पहले इन रूढ़ियों को तोड़ा। उस दौरान लड़कियों के लिए दो प्रमुख योजनाएं शुरू की गईं। एक थी शाला प्रवेशोत्सव, जिसका उद्देश्य लड़कियों को स्कूल में दाखिला लेने के लिए प्रोत्साहित करना था, ताकि अधिक लड़कियां स्कूल जाएं और बीच में पढ़ाई न छोड़ें, और दूसरी थी मुख्यमंत्री कन्या केलवानी निधि योजना (एमकेकेएन), जिसका उद्देश्य लड़कियों की स्कूल फीस में मदद करना था। तब से लेकर आज तक, हमारी सरकार की नीतियों में महिलाओं के कल्याण को लगातार सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है।" 2014 में, जब आपने हमें सेवा करने का अवसर दिया, तब देश में 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण हुआ था"

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "आज मैं इस कार्यक्रम में महा यज्ञ के प्रारंभ के लिए आप सभी बहनों और बेटियों का आशीर्वाद लेने आया हूं। काशी के सांसद के रूप में, देश के प्रधानमंत्री के रूप में, मुझे देश के कल्याण के एक महत्वपूर्ण लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आपके आशीर्वाद की आवश्यकता है। और यह महत्वपूर्ण लक्ष्य लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करना है। कुछ ही दिन पहले, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस जैसी पार्टियों के कारण संसद में हमारे प्रयास सफल नहीं हो सके। लेकिन मैं आप सभी बहनों को आश्वस्त करता हूं। मैं आपके आरक्षण अधिकारों को लागू करवाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ूंगा..."

सपा-कांग्रेस की वजह से हमारे प्रयास विफल हुए : मोदी

पीएम नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मैं नारी वंदन के इस प्रयास को लागू करने में कोई कसर नहीं छोड़ूंगा, कांग्रेस की वजह से हमारे प्रयास विफल हुए, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की वजह से लक्ष्य अधूरा रह गया।' 'महिलाओं के सशक्तीकरण से देश मजबूत होगा।' '30 करोड़ से अधिक बहनों के लिए बैंक खाते खोले गए।'

पीएम मोदी ने मंच से खींचा तिकास का खाका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "आज का अवसर नारी शक्ति वंदन और विकास का उत्सव है। कुछ ही समय पहले, यहां आधारशिला रखी गई और हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया। इनमें काशी में सभी प्रकार के विकास से संबंधित परियोजनाएं शामिल हैं। काशी और अयोध्या के बीच संपर्क को बेहतर बनाने के लिए भी काम चल रहा है। कुछ समय पहले, दो अमृत भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। एक काशी से पुणे और दूसरी अयोध्या से मुंबई। ये दोनों अमृत भारत ट्रेनें उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच संपर्क को और बेहतर बनाएंगी। अब मुंबई, पुणे और पूरे महाराष्ट्र के लोगों के पास अयोध्या धाम और काशी विश्वनाथ धाम पहुंचने का एक और आधुनिक विकल्प है।"

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद काशी की महिलाओं का उत्साह वंदनीय है। पिछले 12 वर्षों में नारी सुरक्षा और सम्मान को जिस संकल्प के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आगे बढ़ाया है, उसे रोकने का प्रयास विपक्ष, कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और उनके सहयोगी गठबंधन द्वारा किया गया। इस तरह की नकारात्मक सोच के खिलाफ देश में आक्रोश है। आज आधी आबादी के बीच जो आक्रोश दिखाई दे रहा है, वह विपक्ष के नकारात्मक रवैये की प्रतिक्रिया है। वहीं यह आभार भी व्यक्त किया जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए निरंतर कार्य हुआ है। बड़ी संख्या में महिलाएं प्रधानमंत्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनके स्वागत में शामिल हो रही हैं, जो प्रमाण है कि देश की आधी आबादी पूरी मजबूती के साथ उनके विजन और योजनाओं के साथ खड़ी है। पीएम नरेन्द्र मोदी के विजन के चलते देश विकसित भारत की ओर बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री हमेशा कहते हैं कि देश के अंदर सिर्फ चार जातियां हैं-नारी, गरीब और युवा और अन्नदाता। काशी के बारे में जो धारणा थी वह बदलती हुई दिखाई दे रही है। पिछले 11-12 वर्ष में काशी पूरी दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र बन गई है। काशी जिस शिव की, बाबा विश्वनाथ की शाश्वत चेतना का केंद्र बिंदु थी, वह फिर से काशी विश्वनाथ धाम के रूप में हमें देखने को मिली है।

रियान पराग के वेपिंग विवाद ने पकड़ा तूल, जेल और बैन की आएगी नौबत? क्या कहता है भारत का कानून

(जीएनएस)।

राजस्थान रॉयल्स के स्टार खिलाड़ी रियान पराग एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह उनके बल्ले की गूंज नहीं बल्कि ड्रेसिंग रूम से वायरल हुआ एक संदिग्ध वीडियो है। पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान कैमरे में कैद हुए इस दृश्य ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है कि क्या रियान पराग स्टेडियम के भीतर 'वेपिंग' कर रहे थे?

क्या है पूरा मामला?

पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेले गए हाई-वोल्टेज मुकाबले के दौरान टीवी ब्रॉडकास्ट में एक क्लिप दिखाई दी। वीडियो में रियान पराग ड्रेसिंग रूम में बैठे नजर आ रहे हैं और उनके हाथ में एक चमकती हुई डिवाइस दिख रही है। कुछ ही पलों बाद उनके मुँह से धुआं निकलता दिखाई देता है। हालांकि, यह वीडियो पूरी तरह स्पष्ट नहीं है, लेकिन प्रशंसकों ने इसे 'वेपिंग' करार देते हुए बीसीसीआई (इउउक) से कार्रवाई की मांग शुरू कर दी है।

भारत में वेपिंग पर क्या है कानून?

अगर यह साबित होता है कि रियान पराग वेप कर रहे थे, तो मामला केवल अनुशासन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कानूनी मोड़ भी ले सकता है। भारत सरकार ने 2019 में 'ई-सिगरेट निषेध अधिनियम' लागू किया था।

सख्त पाबंदीः भारत में ई-सिगरेट का उत्पादन, बिक्री, भंडारण और विज्ञापन पूरी तरह प्रतिबंधित है।

सजा का प्रावधानः इस कानून के तहत पहली बार उल्लंघन पर 1 साल तक की जेल या ₹1 लाख तक का जुमार्ना हो सकता है। निजी इस्तेमाल या रखने के मामले में भी ₹50,000 तक का जुमार्ना या 6 महीने की जेल का प्रावधान है।

पब्लिक प्लेस नियमः स्टेडियम जैसे सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान या वेपिंग करना कानूनन अपराध की श्रेणी में आता है।

क्रिकेट के मैदान पर खिलाड़ियों का आचरण 'कोड ऑफ कंडक्ट' के दायरे में आता है। बीसीसीआई के नियमों के अनुसार-

ड्रेसिंग रूम प्रोटोकॉलः ड्रेसिंग रूम एक 'क्लीन जोन' होता है जहाँ किसी भी तरह के नशे या धूम्रपान की अनुमति नहीं होती।

अनुशासनात्मक कार्रवाईः यदि जांच में दोषी पाया जाता है, तो बीसीसीआई खिलाड़ी पर भारी मैच फीस का जुमार्ना लगा सकता है या कुछ मैचों के लिए प्रतिबंधित भी कर सकता है।

क्या वाकई रियान पराग मुश्किल में हैं?

अभी तक इस मामले में न तो राजस्थान रॉयल्स और न ही इउउककी ओर से कोई आधिकारिक बयान आया है। वीडियो की सत्यता की जांच होना अभी बाकी है। तकनीकी रूप से टीवी फुटेज कई बार रोशनी या अन्य कारणों से भ्रम पैदा कर सकते हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि हाई-प्रोफाइल एथलीट होने के नाते रियान पराग की जिम्मेदारी दोगुनी हो जाती है। लाखों युवा उन्हें अपना रोल मॉडल मानते हैं, ऐसे में इस तरह के दृश्य उनकी छवि और करियर पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं।

इस बंगाल चुनाव में ममता बनर्जी की असली चुनौती प्रधानमंत्री मोदी नहीं, बल्कि जबरदस्त गति से काम कर रहे अमित शाह हैं

पश्चिम बंगाल में बीजेपी नेताओं के मुताबिक तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ पांच बातें काम कर रही हैं. जब आप राज्य के अलग-अलग हिस्सों में जाते हैं तो ये बातें किसी न किसी रूप में दिख भी जाती हैं.

पश्चिम बंगाल में आज दो समानांतर वास्तविकताएं साथ-साथ मौजूद लगती हैं.

पहली यह कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की कल्याणकारी योजनाएं चुनावी चर्चा को लगातार प्रभावित कर रही हैं. आप राज्य में कहीं भी जाएं, हर घर इन योजनाओं का लाभ ले रहा है. जैसे लक्ष्मी भंडार योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 1500 से 1700 रुपये की सहायता, बेरोजगार युवाओं को 1500 रुपये, और स्कूल के छात्रों को साइकिल और स्मार्टफोन सहित कई अन्य सुविधाएं मिल रही हैं.

दूसरी वास्तविकता यह है कि परिवर्तन या बदलाव की बात भी धीरे-धीरे गूंज रही है. 15 साल का समय लंबा होता है. बदलाव से उन्हें और मिल सकता है. लेकिन क्या वे दीदी से इतने नाराज हैं कि उन्हें हटाना चाहते हैं.

मैंने यह सवाल रविवार दोपहर कोलकाता से लगभग 70 किलोमीटर उत्तर में स्थित कस्तोडांगा गांव के चार महिलाओं और तीन पुरुषों के एक समूह से पूछा. महिलाएं मेरी तरफ देखती रहीं, शायद मेरी नादानी पर. लेकिन एक युवक जो अपनी स्कूटी रोक कर बातचीत में शामिल हुआ था बोला, ह्लआप बेरोजगार युवाओं को सालाना 18,000 रुपये देते हैं, जिन्होंने बीए, एमए और एमबीए किया है. उन्हें महीने में इससे चार गुना ज्यादा मिलना चाहिए, लेकिन नौकरी नहीं है.ह्व

अन्य लोग भी बातचीत में शामिल हो गए जब उसने बताया कि पास के स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर हफ्ते में सिर्फ दो बार एक घंटे के लिए आते हैं, और आपात स्थिति में उन्हें 26 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है. मैंने पूछा, ह्लक्या आपने इस बारे में अपने विधायक या सांसद से बात की है.ह्व यह गांव

हरिंगहाटा विधानसभा क्षेत्र में आता है, जिसका प्रतिनिधित्व भारतीय जनता पार्टी के असीम कुमार सरकार करते हैं. यह बनगांव लोकसभा क्षेत्र में आता है, जिसका प्रतिनिधित्व बीजेपी के शांतनु ठाकुर करते हैं.

उन्होंने कहा, ह्लवे चुनाव के बाद कभी वापस नहीं आते.ह्व जब पूछा गया कि क्या उन्हें सरकार में परिवर्तन की जरूरत लगती है, तो स्कूटी वाले युवक ने कहा, ह्लवे सभी सिर्फ पैसा बनाते हैं, पहले वामपंथी, फिर तृणमूल कांग्रेस. कोई और आएगा तो वह भी वही करेगा, लेकिन कम से कम उन्हें एक मौका तो मिलना चाहिए.ह्व दूसरे व्यक्ति ने तीखे अंदाज में कहा, ह्लकौन, सुवेंदु अधिकारी. वह तो हमेशा ममता बनर्जी के करीबी रहे हैं. वह कैसे अलग होंगे.ह्व

साफ था कि मुख्यमंत्री का चेहरा बीजेपी के लिए अभी भी एक कठिन मुद्दा बना हुआ है. पार्टी ने अभी तक मुख्यमंत्री चेहरा घोषित नहीं किया है और वह फिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता पर निर्भर है. कोलकाता, उत्तर 24 परगना और नदिया में लोगों से बातचीत में उनकी लोकप्रियता दिखी, लेकिन ह्लममता बनाम कौनह्व का सवाल उनके मन में अभी भी बना हुआ है. यह तब भी बना रहा जब पीएम मोदी ने कम से कम 20 जनसभाएं और कई रोड शो किए, जिनमें रविवार को कोलकाता का एक बड़ा रोड शो भी शामिल था.

लेकिन यह ममता बनाम मोदी का मुकाबला नहीं है. दीदी की असली चुनौती बीजेपी के मुख्य रणनीतिकार और गृह मंत्री अमित शाह हैं. वह पिछले दो हफ्तों से पश्चिम बंगाल में डेरा डाले हुए हैं और उनके खिलाफ एक विस्तृत चुनावी रणनीति बना रहे हैं.

बीजेपी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि एसोसिएशन ऑफ बिलियन माइंड्स नाम की एक राजनीतिक कंसल्टेंसी फर्म के सर्वे में अच्छे संकेत मिल रहे हैं. शुरूआत में इस सर्वे में बीजेपी को 294 सदस्यीय विधानसभा में 95 सीटें मिलने का अनुमान था, जो पिछले हफ्ते बढ़कर 120 हो गया. पार्टी नेताओं को उम्मीद है कि 29 अप्रैल को दूसरे और अंतिम चरण के मतदान के बाद यह संख्या बहुमत के आंकड़े को पार कर जाएगी.

एंटी-इंकम्बेंसी से लेकर रक्फ़तक

पश्चिम बंगाल में बीजेपी नेताओं के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ पांच प्रमुख कारण काम कर रहे हैं.

पहला कारण 15 साल की एंटी-इंकम्बेंसी है, जो सूची में सबसे ऊपर है. दूसरा कारण 'हिंदू ध्रुवीकरण' है, एक ऐसे राज्य में जहां 27 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है. एक वरिष्ठ पार्टी नेता ने कहा, ध्यान रहे, यह ध्रुवीकरण है, सांप्रदायिकता नहीं. यही वजह है कि बीजेपी नेताओं के भाषणों में बांग्लादेशी 'घुसपैठियों' का बार-बार जिक्र होता है.

तीसरा कारण 'महिलाओं की सुरक्षा' का मुद्दा है, जो आरजी कर मेडिकल कॉलेज की रेप और हत्या की घटना के बाद फिर सामने आया. बीजेपी ने पीड़िता की मां को पनिहाटी सीट से उम्मीदवार बनाया है.

चौथा कारण बीजेपी नेताओं के अनुसार लोगों की बढ़ती 'अधीरता' है, जो भ्रष्टाचार से जुड़ी है. जैसे नवन्ना (राज्य सचिवालय) से लेकर ग्राम पंचायतों तक हर जगह बिना कट मनी के कुछ नहीं होता, उद्योगों की कमी, बेरोजगार युवाओं के लिए अवसरों की कमी, और हिंसा व डर का माहौल.

पांचवां कारण सरकारी कर्मचारियों का गुस्सा है, जो बीजेपी नेताओं के अनुसार 7वें वेतन आयोग को लागू न करने से नाराज हैं.

जब आप बंगाल में यात्रा करते हैं, तो ये सभी मुद्दे किसी न किसी रूप में सामने आते हैं. मैं कोलकाता में एक युवा सफल वकील से मिला, जो अपनी ह्लवोकह्व महिला सहकर्मियों से नाराज था क्योंकि जैसा उसने कहा, वो गर्व से बीफ खाने की बात करती हैं. 'बांग्लादेशियों' को लेकर फुसफुसाहट भी बढ़ रही है, खासकर शहरी इलाकों में. नदिया के एक गांव में एक मतुआ व्यक्ति, जिसकी मां का नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया था, इस बात से ज्यादा परेशान था कि उसकी पत्नी, जिसने एमए और बीएड किया है, के लिए नौकरी पाने में उससे 15 लाख रुपये रिश्वत मांगी गई. उसने रिश्वत मांगने वाले का नाम नहीं लिया, लेकिन अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं था.

बीजेपी नेताओं का सबसे बड़ा लेकिन खुलकर न बताया जाने वाला फैक्टर स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (रक्फ़) है, यानी मतदाता सूची का

शादीशुदा मर्द के बच्चे की मां बनी थीं ये फेमस एक्ट्रेस, जुनून की हद तक किया प्यार, 31 में मिली दर्दनाक मौत

(जीएनएस)।

हिंदी सिनेमा की दिग्गज एक्ट्रेस स्मिता पाटिल का जीवन जितना शानदार था, उनका अंत उतना ही दर्दनाक रहा। महज 31 साल की उम्र में उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया था। 28 नवंबर 1986 को उन्होंने बेटे प्रतीक बब्बर को जन्म दिया था, लेकिन खुशियों के ये पल ज्यादा लंबा साथ नहीं दे पाए।

डिलीवरी के14 दिन बाद स्मिता पाटिल की हुई थी मौत

डिलीवरी के 14 दिन बाद यानी 13 दिसंबर 1986 को स्मिता पाटिल का निधन हो गया था। वह अपने पीछे एक नवजात बेटे और अपनी बेहतरीन सिनेमाई विरासत छोड़ गई थीं।

अंतिम दिनों में स्मिता पाटिल का गहराता अकेलापन, स्मिता पाटिल के आखिरी दिन बेहद अकेलेपन में गुजरे थे। एक्ट्रेस की करीबी दोस्त और फिल्ममेकर अरुणा राजे ने हाल ही में ईटाइम्स को दिए इंटरव्यू में स्मिता पाटिल के जीवन के उन पहलुओं को शेयर किया है, जो कम ही लोगों को पता हैं।

बच्चा पैदा करते ही बिगड़ गई थी स्मिता पाटिल की हालत, -अरुणा राजे ने बताया कि जब उन्हें स्मिता पाटिल की गंभीर हालत की खबर मिली, तो वह तुरंत जसलोक अस्पताल पहुंची थीं लेकिन वहां जो उन्होंने देखा, वह उनके लिए जिंदगी भर का दर्द बन गया। उनके मुताबिक स्मिता पाटिल की हालत इतनी नाजुक थी कि उन्हें समझ आ गया था कि अब वापसी संभव नहीं है।

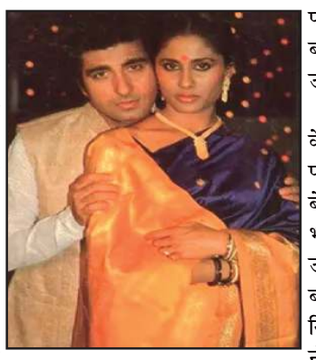

-इस दौरान स्मिता पाटिल की मां पूरी तरह टूट चुकी थीं लेकिन नवजात बच्चे के लिए उन्हें खुद को संभालना पड़ा। ये पल परिवार के लिए बेहद भावनात्मक और कठिन था।

राज बब्बर से प्यार और फिर हुआ ऐसा अंजाम, -स्मिता पाटिल की प्रोफेशनल लाइफ जितनी अच्छी थी, वहीं उनकी पर्सनल लाइफ काफी उतार-चढ़ाव से भरी हुई थी। एक्ट्रेस की निजी जिंदगी का सबसे चर्चित पहलू एक्टर राज बब्बर के साथ उनका रिश्ता था।

-अरुणा राजे के मुताबिक स्मिता पाटिल का प्यार बेहद गहरा और भावनात्मक था। उनके निधन के बाद मिले कुछ निजी लेटर्स और नोट्स से ये साफ हुआ था कि वह राज बब्बर से बेहद मोहब्बत करती थीं, इतना कि ये प्यार जुनून की हद तक पहुंच चुका था।

7 महीने की प्रेग्नेंट स्मिता पाटिल ने रखा था करवाचौथ का व्रत, बताया जाता है कि स्मिता पाटिल ने राज बब्बर के लिए करवा चौथ का व्रत भी रखा था जबकि वह उस समय 7 महीने की प्रेग्नेंट थीं। डॉक्टरों ने उन्हें ऐसा न करने की सलाह दी थी लेकिन उन्होंने अपने रिश्ते को पूरी तरह निभाने की कोशिश की थी।

स्मिता पाटिल से नफरत करने लगे थे उनके परिवार वाले, -स्मिता पाटिल और राज बब्बर रिश्ता जितना गहरा था, उतना ही विवादों में भी रहा था। दरअसल जब स्मिता पाटिल और राज बब्बर करीब आए थे, तब एक्टर पहले से ही नादिरा बब्बर से शादीशुदा थे और उनके बच्चे भी थे।

-ऐसे में इस रिश्ते के कारण स्मिता पाटिल को समाज और अपने करीबी लोगों से नफरत का सामना करना पड़ा था। धीरे-धीरे एक्ट्रेस के कई दोस्तों और परिवार वालों ने उनसे दूरी बना ली थी।

-अरुणा राजे के अनुसार वह उन गिने-चुने लोगों में थीं जो आखिरी समय तक स्मिता पाटिल के संपर्क में रही थीं। स्मिता अक्सर अपने जीवन के संघर्ष और भावनात्मक तकलीफें उनसे शेयर करती थीं।

राज बब्बर की पहली शादी और स्मिता पाटिल के लिए दीवानापन, -आपको बता दें कि एक्टर राज बब्बर की पहली शादी नादिरा बब्बर से हुई थी, जो थिएटर की जानी-मानी हस्ती हैं। इस शादी से उनके बच्चे भी थे। बाद में एक्ट्रेस स्मिता पाटिल के साथ उनका रिश्ता गहराया और दोनों ने शादी कर ली।

-स्मिता पाटिल के निधन के बाद राज बब्बर ने फिर से नादिरा बब्बर के साथ अपने रिश्ते को संभाल लिया था। ये पूरा घटनाक्रम उस दौर में काफी चर्चा और विवाद का विषय बना था।

एक विरासत जो आज भी जिंदा है

स्मिता पाटिल भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनका योगदान और उनकी अदाकारी आज भी सिनेमा प्रेमियों के दिलों में जिंदा है। उनकी कहानी सिर्फ एक सफल अभिनेत्री की नहीं बल्कि एक ऐसी महिला की भी है, जिसने अपने दिल की सुनी, अपने फैसले खुद लिए और हर हाल में उन्हें निभाया, चाहे उसकी कीमत कितनी ही बड़ी क्यों न हो।

'पत्नी 40 पार है तो पति कर सकता है दूसरी शादी', कौन है ये बेहद खूबसूरत एक्ट्रेस? जिसके बयान पर भड़के लोग

(जीएनएस)।

पाकिस्तानी एक्ट्रेस और मॉडल शमीम खान ने पुरुषों की दूसरी शादी को लेकर ऐसा बयान दिया है जिस पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। महिलाएं जो हमेशा एक शादी की पैरवी करती हैं वहीं शमीम खान पुरुषों की दूसरी शादी की पैरवी की है, खासकर जब पहली पत्नी 40 साल से अधिक उम्र की हो गई हो।

इस टिप्पणी के बाद एक ट्रेस शमीस खान सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल हो रही है और यूजर्स की कड़ी आलोचना झेलनी पड़ रही है। आइए जानते हैं कौन हैं ये एक्ट्रेस और क्या है पूरा मामला...

पाकिस्तानी एक्ट्रेस शमीम खान से एक पॉडकास्ट में दूसरी शादी पर उनकी राय मांगी गई थी। शमीम के जवाब ने सबको चौंका दिया।

उन्होंने कहा, "पहली पत्नी को मत छोड़ो क्योंकि वह पुरुष की वंश परम्परा को आगे बढ़ाती है। इसलिए, पहली पत्नी को छोड़ना गलत है।"

'पत्नी 40 पार है तो पति कर सकता है दूसरी शादी'

शमीम खान से पूछा गया, "पहली पत्नी के होते हुए क्या पुरुषों को दोबारा शादी करनी चाहिए?" शमीम ने जवाब दिया, "यदि कोई महिला 40 वर्ष से अधिक की है और उसका पति उस रिश्ते का भविष्य नहीं देखता, और वह उससे खुश नहीं है, और उसे लगता है कि उसे दोबारा शादी करनी चाहिए, तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। शमीम खान ने समझाया, पहली पत्नी 40 साल से अधिक उम्र के बाद महिलाएं आध्यात्मिक ('दीनी') बातों में रुचि लेती हैं, जबकि पति की 'दुनियावी' (भौतिक) जरूरतें अनदेखी रह जाती हैं, जिससे वह 'गलत राह' पर जा सकता है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

तय समय से 5 साल पहले मार ली बाजी! पीएम मोदी के ग्रीन विजन ने दुनिया को चौंकाया; कैसे बदली ऊर्जा की तस्वीर?

(जीएनएस)।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने रेजिलिएंट फ्यूचर्स समिट 2026 में बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ग्रीन एनर्जी का ग्लोबल लीडर बन रहा है. देश ने 2030 तक 500 गीगावाट ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य रखा है जबकि 50% गैर-जीवाश्म बिजली उत्पादन का लक्ष्य समय से 5 साल पहले ही हासिल कर लिया. वर्तमान में 30% बिजली नवीकरणीय स्रोतों से आ रही है जो भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता और 'सक्सेस स्टोरी' का प्रमाण है.

भारत ने अपने लक्ष्य को तेजी से पूरा किया.

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में एक पावरहाउस बनकर उभरा है. राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'रेजिलिएंट फ्यूचर्स समिट 2026' के दौरान केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने भारत की इस शानदार सक्सेस स्टोरी को दुनिया के सामने रखा. उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत न केवल अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा कर रहा है बल्कि पर्यावरण संरक्षण के मामले में दुनिया का नेतृत्व भी कर रहा है.

लक्ष्य से आगे भागता भारत

मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बताया कि केंद्र सरकार ने 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का जो महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है उसे पाने के लिए काम युद्धस्तर पर जारी है. सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि गैर-जीवाश्म (नॉन-फॉसिल) स्रोतों से 50% बिजली उत्पादन का लक्ष्य भारत ने तय समय से 5 साल पहले ही हासिल कर लिया है. यह प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी नीतियों और सटीक क्रियान्वयन का ही परिणाम है.

ऐतिहासिक पीक डिमांडः हाल ही में पीक डिमांड के दौरान भारत की दो-तिहाई बिजली जरूरतें नवीकरणीय ऊर्जा से पूरी की गईं.

मिश्रित ऊर्जा स्रोतः पवन, सौर, बैटरी स्टोरेज और पंप स्टोरेज जैसे माध्यमों से देश की 30% बिजली पैदा हो रही है.

आयात पर लगामः स्वदेशी कोयले के उत्पादन को बढ़ावा देकर सरकार ने उस कोयले के आयात को काफी हद तक कम कर दिया है जो देश में उपलब्ध है.

यूटिलिटी-लेड मॉडलः 2027 तक के लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए सरकार 'यूटिलिटी-लेड मॉडल' पर तेजी से काम कर रही है.

क्यों खास है यह उपलब्धि?

भारत की प्रगति से यह साफ है कि केंद्र सरकार ने एनर्जी सिक्योरिटी और सस्टेनेबिलिटी के बीच एक बेहतरीन संतुलन बनाया है.

1. आत्मनिर्भरताः कोयले के आयात में कमी लाना न केवल विदेशी मुद्रा बचाता है बल्कि देश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी बनाता है.

2. इंफ्रास्ट्रक्चर की मजबूतीः केवल बिजली उत्पादन ही नहीं बढ़ा है बल्कि ट्रांसमिशन और ग्रिड स्टेबिलिटी पर भी मोदी सरकार ने रिकॉर्ड निवेश किया है.

3. वैश्विक विश्वसनीयताः पेरिस समझौते के लक्ष्यों को समय से पहले पूरा करना अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की साख को और मजबूत करता है.

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, बर्थडे पार्टी से लौट रहे दोस्तों की कार पलटी; युवक की मौत

लखनऊ/उन्नाव। (जीएनएस)। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे की सर्विस लेन पर रविवार देर रात तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गई थी। हादसे में 23 वर्षीय रोहित की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। औरास थाने की पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया और रोहित के परिवारजन को सूचना दी। परिवारजन ने पुलिस को बताया कि सभी दोस्त जन्मदिन की पार्टी से लौट रहे थे। मलिहाबाद के खरता गांव निवासी कार मालिक व चालक शिवम अपने रिश्तेदार रोहित, मित्र दीपक मौर्य व अन्य साथियों के साथ औरास क्षेत्र के मैनीभावाखेड़ा गांव में कृपा शंकर की बेटी तनु की जन्मदिन पार्टी में गए थे।

कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरे गड्ढे में गिरकर पलट गई कार्यक्रम के बाद सभी रविवार रात करीब एक बजे कार से लखनऊ के लिए निकले। कार में औरास के हसनपुर गांव निवासी विकास और रामपुर गढ़ौवा गांव निवासी रवि पाल भी थे। औरास-मोहन मार्ग पर गहरावां मोड़ के पास अचानक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरे गड्ढे में गिरकर पलट गई।

हादसे में शिवम, रोहित, दीपक, विकास और रवि गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी को सीएचसी औरास पहुंचाया गया, जहां डाक्टरों ने रोहित को मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी संजीव कुशवाहा ने बताया कि मृतक के परिवारजन को सूचना दी गई है और शव को कब्जे में लिया है। घायलों का उपचार चल रहा है।

मौत की खबर मिलते ही मां बेसुध

रोहित की मौत की खबर घर पहुंचते ही मां सुमन बेसुध होकर गिर पड़ीं। पिता शिवकुमार ने बताया कि आर्थिक तंगी के कारण रोहित पढ़ाई नहीं कर सका था। वह बड़े भाई ऋषि के साथ मजदूरी करता था। उन्होंने बताया कि रोहित नौकरी की तलाश में दिल्ली जाने वाला था। उसका सपना था कि अच्छी कमाई करके छोटी बहन मोहिनी की शादी धूमधाम से करेगा। इस हादसे ने परिवार की उम्मीदें टूट गईं।

अस्पतालों में अचानक बढ़ गए मरीज, डॉक्टरों ने बताया- धूप में निकलने से पहले क्या करें और क्या न करें

(जीएनएस)।

लखनऊ में तेज धूप के कारण डिहाइड्रेशन और डायरिया के मरीजों की संख्या में 10-15% की वृद्धि हुई है।

लखनऊ। (जीएनएस)। तेज धूप में बाहर निकलना लोगों को भारी पड़ रहा है। चिकित्सा संस्थानों और जिला स्तरीय अस्पतालों में डिहाइड्रेशन और डायरिया के मरीज बढ़ रहे हैं। सामान्य दिनों की तुलना में यह संख्या 10 से 15 प्रतिशत अधिक है।

किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डा. केके सिंह ने बताया कि ओपीडी में डायरिया के लक्षण वाले मरीज भी आ रहे हैं। इन मरीजों को बार पानी जैसा मल आना, पेट में तेज ऐंठन, मरोड़, मतली, उल्टी और निर्जलीकरण (डिहाइड्रेशन) शामिल हैं।

इसके साथ ही हल्का बुखार, सिरदर्द, भूख में कमी भी आम लक्षण हैं। मौसम में आए बदलावों के कारण ऐसे मरीजों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ने लगी है। डा. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के प्रवक्ता डा. भुवन चंद्र तिवारी ने बताया कि

डिहाइड्रेशन व डायरिया के लक्षणों वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है।

रोगियों में हर उम्र के मरीज शामिल हैं। लोहिया संस्थान के मातृ एवं शिशु अस्पताल में बच्चे भी डायरिया से पीड़ित आ रहे हैं। अस्पताल के चिकित्सा डा. श्रीकेश सिंह ने बताया कि 100 में एक-दो बाल रोगियों को भी भर्ती करने की नौबत आ रही है। अभी अधिकतर मरीज ओपीडी में आ रहे हैं और उनका वहीं पर उपचार किया जा रहा है।

लू में हीट स्ट्रोक का खतरा, देर सुबह टहलने से बचें

लू में हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। जिन्हें सुबह-शाम टहलने या दौड़ने की आदत होती है, वे अक्सर लू में भी ऐसा करते हैं, लेकिन ऐसे मौसम में इससे बचना चाहिए। देर सुबह यानी 10-11 बजे टहलने से हीट स्ट्रोक की आशंका बढ़ जाती है। डा. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष डा. विक्रम सिंह का कहना है कि टहलना है तो सुबह जल्दी टहलें, लेकिन लंबा वाक न करें। जिन लोगों को दोपहर में बाहर निकलना मजबूरी है, वे प्रतिदिन कम से कम तीन से चार लीटर पानी पीएं। धूप में जाएं तो पूरी अस्तीन के कपड़े पहनें। सिर को ढक कर रखें। अगर किसी को हीट स्ट्रोक हो जाता है तो उसे ठंडे वातावरण में रखें और तत्काल अस्पताल में भर्ती कराएं।

फाल्टा में ईवीएम पर मचा सियासी बवाल, भाजपा का आरोप-कमल के बटन पर टेप लगाकर रोका

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के मतदान के दौरान फलता (ऋ़ऋ़) विधानसभा क्षेत्र राजनीति का सबसे बड़ा 'फ्लैशपॉइंट' बनकर उभरा है। इस सीट पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (एश्ट) के साथ छेड़छाड़ के गंभीर आरोपों ने टीएमसी (ळटउ) और भाजपा (इखढ) के बीच युद्ध जैसी स्थिति पैदा कर दी है।

भाजपा उम्मीदवार देवांशु पांडा ने सनसनीखेज दावा किया है कि कई बूथों पर एश्ट में भाजपा के चुनाव चिह्न (कमल) के बगल वाले बटन पर टेप चिपका दिया गया था या उसे जैम कर दिया गया था, जिससे मतदाता भाजपा को वोट नहीं दे पा रहे थे।

'डायमंड हार्बर मॉडल' पर अमित मालवीय का प्रहार

भाजपा के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म '' पर कुछ वीडियो साझा किए हैं, जिनमें एश्ट के बटन पर टेप लगा हुआ दिखाई दे रहा है। उन्होंने सीधे तौर पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और टीएमसी पर हमला बोलते हुए लिखा- यह वही गुंडागर्दी है जिसका ममता बनर्जी बचाव कर रही थीं जब उन्होंने फलता से टीएमसी उम्मीदवार जहांगीर खान का पक्ष लिया था। कई मतदान केंद्रों पर भाजपा को वोट देने का विकल्प टेप लगाकर ब्लॉक कर दिया गया है। मालवीय ने आरोप

लगाया कि इसी 'टेंप्लेट' के जरिए अभिषेक बनर्जी ने अपनी लोकसभा सीट सुरक्षित की थी।

विवादों के घेरे में 'अभिषेक के करीबी' जहांगीर खान

फलता विधानसभा सीट अभिषेक बनर्जी के संसदीय क्षेत्र डायमंड हार्बर का हिस्सा है। यहाँ से टीएमसी ने जहांगीर खान को मैदान में उतारा है, जिन्हें अभिषेक बनर्जी का बेहद करीबी माना जाता है। मतदान से एक दिन पहले ही स्पेशल पुलिस ऑब्जर्वर अजय पाल शर्मा ने जहांगीर खान के आवास पर जाकर उन्हें और उनके परिवार को सख्त चेतावनी दी थी कि मतदान प्रक्रिया में कोई बाधा न डाली जाए। भाजपा उम्मीदवार देवांशु पांडा का कहना है कि यह पूरी साजिश सुनियोजित थी ताकि भाजपा के पक्ष में गिरने वाले वोटों को रोका जा सके।

चुनाव आयोग का कड़ा रुखः गड़बड़ी हुई तो दोबारा मतदान के संकेत

एश्ट बटनों पर टेप लगाए जाने की शिकायतों को पश्चिम बंगाल चुनाव आयोग ने बेहद गंभीरता से लिया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (उएड) ने निर्देश दिया है कि हर एक शिकायत की गहनता से जांच की जाए और उसका दस्तावेजीकरण किया जाए। चुनाव अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी भी बूथ पर बटन टेप किए जाने या जैम किए जाने के सबूत मिलते हैं, तो उस विशेष बूथ पर पुनर्मतदान कराया जाएगा।

फाल्टा बना सियासी समीकरण और तनाव का केंद्र

फाल्टा विधानसभा क्षेत्र में पहले से ही तनाव व्याप्त था, लेकिन एश्ट विवाद ने इसे और गहरा कर दिया है। जहां भाजपा इसे लोकतंत्र की हत्या बता रही है, वहीं टीएमसी ने इन आरोपों को निराधार बताते हुए कहा है कि भाजपा अपनी हार सुनिश्चित देखकर बहाने बना रही है। डायमंड हार्बर के इस महत्वपूर्ण सेगमेंट में हो रही यह उठापटक अब पूरे बंगाल चुनाव का केंद्र बिंदु बन गई है। अब सभी की निगाहें चुनाव आयोग की जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं।

'मैं बेटी के नाम पर धंधा कर रही हूं', आरजी कर रेप पीड़िता की मां का टीएमसी पर आरोप

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के दूसरे चरण के लिए आज मतदान हो रहा है, सुबह से ही वोटरों में गजब का उत्साह देखा जा रहा है। पानीहाटी से भाजपा उम्मीदवार रत्ना देबनाथ (आरजी कर बलात्कार-हत्या पीड़िता की मां) ने अपना वोट डाला लेकिन इसके बाद उन्होंने टीएमसी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि ' ळटउ के गुंडे जिन्होंने मुझ पर हमला करने की कोशिश की, वे मुझे गालियां दे रहे थे। उन्होंने कहा कि मैं अपनी बेटी के नाम पर धंधा कर रही हूं।'

' उन्होंने मेरे साथ बदतमीजी की और कहा कि वे 4 मई को मुझसे निपटेंगे। मैंने पुलिस से शिकायत की और उनकी गिरफ़्तारी की मांग की है लेकिन पुलिस ने मुझसे वहां से चले जाने को कहा। मैंने उनसे कहा कि वे मेरे मुख्य चुनाव एजेंट को मेरे साथ रहने दें लेकिन उन्होंने इसकी इजाजत नहीं दी। जब मैंने पुलिस स्टेशन में शिकायत की, तो वे आए और वहाँ मौजूद ळटउ के सभी कार्यकताओं को हटा दिया।'

तो वहीं RG Kar मेडिकल कॉलेज में रेप और हत्या की शिकार छात्रा के पिता, शेखररंजन देबनाथ ने कहा कि 'जब हम रास्ते से गुजर रहे थे, तो बाइक पर ळटउ के गुंडे मौजूद थे। उन्होंने हमारे खिलाफ नारे भी लगाए। वे अपने साथ ळटउ के और भी कई गुंडों को ले आए और हम पर हमला करने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें (TMC कार्यकताओं को) वहां से नहीं हटाया, बल्कि हमसे ही उस जगह से चले जाने को कहा। वे यह सब इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि वे हमसे डरे हुए हैं।'

पानीहाटी से बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ रहीं रत्ना देबनाथ

कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में रेप के बाद जिस महिला डॉक्टर हत्या कर दी गई थी, उनकी मां को बीजेपी ने पानीहाटी विधानसभा सीट से प्रत्याशी बनाया है। रत्ना देबनाथ ने टीएमसी पर निशाना साधते हुए कहा कि 'उनका एकमात्र लक्ष्य बंगाल में तृणमूल कांग्रेस शासन को उखाड़ फेंकना है, जिससे राज्य में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और आरजी कर मामले जैसी घटनाओं को रोका जा सकेगा।'

बंगाल के कुछ हिस्सों में हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाएं

मालूम हो कि आज सुबह विधानसभा चुनावों के अंतिम चरण के लिए मतदान शुरू होने के कुछ ही देर बाद पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं। हुगली में EVM में खराबी, मतदान में रुकावट और देरी के दावे किए गए, वहीं बैली में इसी तरह के आरोपों को लेकर झड़प होने के बाद उफ्छत्र

जवानों ने कथित तौर पर दो लोगों को हिरासत में ले लिया गया है।

भड़की ममता बनर्जी, लगाए केंद्रीय बलों पर गंभीर आरोप

तो वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में चुनावों के लिए तैनात केंद्रीय बलों पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि वे "BJP के निदेशों के अनुसार" काम कर रहे हैं। मीडिया को एक क्लिप दिखाते हुए, बनर्जी ने दावा किया कि तृणमूल के एक कार्यकर्ता को पीटा गया और सवाल उठाया कि क्या वोटिंग इसी तरह होनी चाहिए।

142 सीटों पर आज हो रहा है चुनाव, नतीजे 4 मई को

ममता बनर्जी उन 1,448 उम्मीदवारों में से एक हैं जो 142 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं, जहाँ आज आखिरी चरण में वोटिंग हो रही है। भवानीपुर सीट पर उनका मुकाबला BJP के शुभेंदु अधिकारी से है। 2021 में हुए पिछले चुनावों में 77 सीटें जीतने के बाद, इखढ इस बार बहुमत हासिल करने की उम्मीद कर रही है।

नादिया में भाजपा एजेंट लहूलुहान, हावड़ा में सीआरपीएफ से भिड़े लोग, आखिरी दौर में भारी तांडव!

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के मतदान की शुरूआत शांत नहीं रही। बुधवार सुबह सात बजे जैसे ही 142 सीटों पर वोटिंग शुरू हुई, राज्य के कई हिस्सों से हिंसा, तोड़फोड़ और झड़प की खबरें आने लगीं। सुरक्षा के कड़े इंतजामों और केंद्रीय बलों की 2,321 कंपनियों की तैनाती के बावजूद बंगाल का चुनावी मिजाज एक बार फिर आक्रामक नजर आ रहा है।

कहीं पोलिंग एजेंट लहूलुहान हैं, तो कहीं एश्ट की खराबी ने मतदाताओं के सब्र का बांध तोड़ दिया है। आखिर किन इलाकों में हुआ है सबसे ज्यादा बवाल और क्या सुरक्षा बल स्थिति को संभालने में कामयाब रहे? आइए जानते हैं मतदान के शुरूआती घंटों में क्या-कुछ हुआ...

नादिया में भाजपा एजेंट पर हमला

वोटिंग शुरू होते ही नादिया जिले के छपरा स्थित बूथ नंबर 53 से सनसनीखेज खबर सामने आई। बीजेपी नेताओं ने आरोप लगाया है कि सत्तारूढ़ टीएमसी से जुड़े 'उपद्रवियों' ने उनके एक पोलिंग एजेंट के साथ बेरहमी से मारपीट की। इस घटना के बाद इलाके में भारी तनाव है और मतदान केंद्र के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना सुबह करीब 6 बजे हुई, ठीक उसी समय जब वोटिंग की तैयारियां चल रही थीं और पार्टी कार्यकर्ता अपने-अपने बूथों की ओर जा रहे थे। छपरा विधानसभा क्षेत्र से इखढ उम्मीदवार, सैकत सरकार ने दावा किया कि उनकी पार्टी का एक बूथ एजेंट पोलिंग स्टेशन जाते समय हमले का शिकार हो गया।

रॉड और बंदूक के बट से अटैक करने का आरोप

उन्होंने आरोप लगाया कि विरोधी पार्टी से जुड़े कुछ लोगों ने उस कार्यकर्ता पर हमला किया। सरकार के अनुसार, हमलावरों ने हमले के दौरान लाठियों, रॉड और यहां तक कि बंदूक के बट का भी इस्तेमाल किया, जिससे एजेंट गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल पोलिंग एजेंट को तुरंत इलाज के लिए पास के एक अस्पताल ले जाया गया। BJP ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे अपने कार्यकताओं को डराने और वोटिंग प्रक्रिया में बाधा डालने की कोशिश बताया है।

ISF एजेंट को भी बनाया निशाना

उसी जिले से एक अलग घटनाक्रम में, इंडियन सेक्युलर फ्रंट (ISF) से जुड़े एक पोलिंग एजेंट पर भी हमले के आरोप लगे हैं। इससे पता चलता है कि वोटिंग के दौरान तनाव केवल दो पार्टियों तक ही सीमित नहीं हो सकता, बल्कि इसमें क्षेत्र के कई राजनीतिक दल शामिल हो सकते हैं।

इन रिपोर्टों ने चुनावों के दौरान कानून-व्यवस्था को लेकर चिंताओं को और बढ़ा दिया है, खासकर उन क्षेत्रों में जो कड़ी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के लिए जाने जाते हैं।

स्वतंत्र और निष्पक्ष वोटिंग को लेकर चिंताएं

इस तरह की घटनाएं शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव कराने की क्षमता पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। मतदाताओं और राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने अक्सर हिंसा को रोकने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि लोग बिना किसी डर के अपना वोट डाल सकें, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया है।

EVM की खराबी और सुरक्षा बलों से भिड़ंत

बाली में स्थिति तब बिगड़ गई जब एक पोलिंग बूथ पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) में खराबी आ गई। मशीन में आई तकनीकी गड़बड़ी ने मतदाताओं और सीआरपीएफ (CRPF) के जवानों के बीच तीखी बहस को जन्म दिया, जिसने देखते ही देखते झड़प का रूप ले लिया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सीआरपीएफ ने दो लोगों को हिरासत में लिया है।

हिंसा और तोड़फोड़ की चपेट में कई इलाके

पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, मतदान के शुरूआती घंटों में न केवल नादिया और बाली, बल्कि शांतिपुर, निमतला और भांगर जैसे कई संवेदनशील इलाकों से हिंसा और तोड़फोड़ की खबरें मिली हैं। कई जगहों पर भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों को मोर्चा संभालना पड़ा।

अंतिम चरण का पूरा गणित

पश्चिम बंगाल के इस अंतिम और निर्णायक रण में सात जिलों की 142 विधानसभा सीटों पर किस्मत का फैसला होना है।

कुल मतदाताः 3,21,73,837

मतदान केंद्रः 41,001 (सभी पर वेबकास्टिंग की सुविधा)

सुरक्षा व्यवस्थाः 2,321 कंपनियां केंद्रीय सुरक्षा बलों की, जिसमें अकेले कोलकाता में 273 कंपनियां तैनात हैं।

अजय पाल शर्मा विवाद के बाद बड़ा एक्शन, ईसी ने फाल्टा के जॉइंट बीडीओ समेत 2 एडीएम हटाए

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के अंतिम चरण की वोटिंग से ठीक पहले चुनाव आयोग ने बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। दक्षिण 24 परगना जिले की फाल्टा विधानसभा सीट पर बढ़ते विवाद और राजनीतिक तनाव के बीच चुनाव आयोग ने जॉइंट ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर (इऊ्ड) सौरव हाजरा का तत्काल प्रभाव से तबादला कर दिया।

यह कार्रवाई उस समय हुई जब फाल्टा सीट पर चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त विशेष पुलिस पर्यवेक्षक अजय पाल शर्मा की कार्रवाई को लेकर तृणमूल कांग्रेस और चुनाव आयोग आमने-सामने नजर आए।

दरअसल, यूपी कैडर के आईपीएस अधिकारी और चुनाव आयोग के विशेष पुलिस पर्यवेक्षक अजय पाल शर्मा सोमवार देर रात केंद्रीय सुरक्षा बलों के साथ टीएमसी नेता जहांगीर खान के आवास पहुंचे थे।

शर्मा ने कथित तौर पर वोटरों को डराने-धमकाने और चुनाव में गड़बड़ी फैलाने वालों को सख्त चेतावनी दी थी। इसके बाद इलाके में राजनीतिक माहौल गर्म हो गया। 28 अप्रैल को भी उन्होंने संवेदनशील इलाकों में रूट मार्च किया और संभावित उपद्रवियों की तलाश में तलाशी अभियान चलाया।

इस कार्रवाई के बाद टीएमसी कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। कई जगहों पर 'गो बैक' और 'जय बांग्ला' के नारे लगाए गए। आरोप लगाया गया कि पुलिस पर्यवेक्षक अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर पार्टी कार्यकर्ताओं को डराने की कोशिश कर रहे हैं।

तनाव बढ़ने के बीच चुनाव आयोग ने मंगलवार देर रात आदेश जारी करते हुए फाल्टा के जॉइंट इऊ्ड सौरव हाजरा का तबादला पुरुलिया कर दिया। उनकी जगह राम्या भट्टाचार्य को नियुक्त किया गया है। हालांकि आयोग ने आधिकारिक तौर पर इसे रूटीन ट्रांसफर बताया, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इसे अजय पाल शर्मा विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है।

इसके अलावा चुनाव आयोग ने दक्षिण 24 परगना के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (अऊ्ट) भास्कर पाल और बीरभूम के अऊ्ट सौविक भट्टाचार्य को भी चुनाव संबंधी सभी जिम्मेदारियों से हटा दिया। हालांकि आयोग ने इस फैसले के पीछे कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया।

फाल्टा विधानसभा सीट डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आती है, जिसका प्रतिनिधित्व टीएमसी के वरिष्ठ नेता और ममता बनर्जी के करीबी अभिषेक बनर्जी करते हैं। इसी वजह से यह सीट राजनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील मानी जा रही है। चुनाव आयोग ने यहां केंद्रीय बलों की भारी तैनाती की है ताकि मतदान निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से कराया जा सके।

हँङ्क कर क्ढर अ्ं८ ढं' रँ१ें: 'सिंघम' छवि वाले अधिकारी हैं अजय पाल शर्मा

अजय पाल शर्मा उत्तर प्रदेश कैडर के आईपीएस अधिकारी हैं और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के कारण उन्हें 'सिंघम' की छवि वाला अधिकारी माना जाता है।

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में शर्मा यह कहते नजर आए कि अगर कोई मतदान प्रक्रिया में बाधा डालने की कोशिश करेगा तो उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। उनके इस बयान को लेकर भी राजनीतिक विवाद गहरा गया। टीएमसी ने आरोप लगाया कि शर्मा चुनाव पर्यवेक्षक की भूमिका से आगे बढ़कर राजनीतिक दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

चुनाव से पहले बढ़ा राजनीतिक तापमान

बंगाल में दूसरे और अंतिम चरण की वोटिंग से पहले फाल्टा समेत दक्षिण 24 परगना के कई इलाकों में राजनीतिक तनाव चरम पर पहुंच गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि रिकॉर्ड वोटिंग, केंद्रीय बलों की सक्रियता और लगातार हो रही प्रशासनिक कार्रवाई यह संकेत दे रही है कि चुनाव आयोग इस बार किसी भी तरह की गड़बड़ी को लेकर बेहद सख्त रुख अपनाए हुए है।

अब सबकी नजर बुधवार को होने वाली वोटिंग और उसके बाद आने वाले नतीजों पर टिकी है, जो यह तय करेंगे कि बंगाल की सत्ता में ममता बनर्जी की वापसी होगी या राज्य में राजनीतिक बदलाव देखने को मिलेगा।

नेपाल के जरिए लखनऊ पहुंचाई पहुंचाई जा रही नशे की खेप

(जीएनएस)।

बीते कुछ सालों में बड़े पैमाने पर लखनऊ में नशे की खेप पहुंच रही है। गांजा, स्मैक, आफिम व चरस के अलावा अब हाई प्रोफाइल ड्रग्स भी की सप्लाई की जा रही है। हैरत की बात यह है कि ऑफलाइन से ज्यादा ऑनलाइन व इंटरनेशनल रूट्स से इसकी सप्लाई राजधानी में की जा रही है।

लखनऊ , (जीएनएस)। बीते कुछ सालों में बड़े पैमाने पर लखनऊ में नशे की खेप पहुंच रही है। गांजा, स्मैक, आफिम व चरस के अलावा अब हाई प्रोफाइल ड्रग्स भी की सप्लाई की जा रही है। हैरत की बात यह है कि ऑफलाइन से ज्यादा ऑनलाइन व इंटरनेशनल रूट्स से इसकी सप्लाई राजधानी में की जा रही है। लखनऊ में नशे की सप्लाई की चेन एक पूरा नेटवर्क कई स्तरों पर काम कर रहा है। हाल ही में पकड़े गए कई आरोपियों से पता चला कि यह नेटवर्क सिर्फ रोड तक सीमित नहीं है, बल्कि इंटर-स्टेट व इंटरनेशनल रूट के अलावा डिजिटल रूट तक फैला हुआ है।

लखनऊ में कैसे होती है सप्लाई

बाहरी सोर्स-लखनऊ में पकड़े गए कई मामलों में माल दूसरे जिलों व राज्यों से आने की बात सामने आई खासतौर पर बाराबंकी, सीतापुर, बहराइच, उन्नाव, कानपुर रूट और कुछ मामलों में अन्य राज्यों से लिंक मिले।

एंट्री पॉइंट व ट्रांजिट रूट-शहर में एंट्री अक्सर हाईवे और आउटर इलाकों से होती है। मार्च 2026 में सुल्तानपुर-लखनऊ रोड पर 200 किलो गांजा पकड़ा गया था। शहर में सप्लाई के लिए बड़े वाहन व लोडिंग गाड़ियों का यूज किया जाता है।

डंपिंग यार्ड-कुछ मामलों में पुराने बाजार, किराए के मकान, गोदाम, दुकानों या घरों में स्टॉक रखने के आरोप सामने आए। जुलाई 2025 में अमीनाबाद के नयागांव क्षेत्र में प्रतिबंधित दवाइयों की बड़ी बरामदगी हुई थी।

लोकल डिस्ट्रीब्यूटर-यह लोग शहर के अलग-अलग इलाकों में छोटे सप्लायर या एजेंट बनकर काम करते हैं। इनके जरिए माल मोहल्लों, कॉलेज बेल्ट, पार्क, सुनसान जगहों या नाइट स्पॉट्स तक पहुंचता है। पुलिस ने जनवरी 2026 की कार्रवाई में 134 जगहों पर छापे मारकर एक हजार से ज्यादा संदिग्ध यूजर व पेडलर चिन्हित किए थे।

रिटेल पेडलर व स्ट्रीट नेटवर्क-सबसे नीचे स्तर पर छोटे पेडलर होते हैं जो छोटी मात्रा में बेचते हैं। ये अक्सर कैश, उधार, जान-पहचान या चैट एप के जरिए संपर्क रखते हैं।

लखनऊ में ये नशे ज्यादा चर्चा में

गांजा, हेरोइन व स्मैक, कोडीन सिरप, नियंत्रित दवाएं, सिंथेटिक ड्रग्स

एयरपोर्ट पर एक साल में पकड़ी गई खेप

-18 अप्रैल 2026 को ओमान एयरवेज से बैंकॉक से आए यात्री के पास से 14.5 किलो हाइड्रोपोनिक वीड पकड़ी गई, जिसकी कीमत 14.50 करोड़ रुपये थी।

-7 अप्रैल 2026 को एयर एशिया की फ्लाइट से बैंकॉक से आए यात्री के पास से करीब 3.19 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद हुआ।

-फरवरी 2026 के अंत में बैंकॉक से आए यात्रियों से 17.95 किलो हाई-ग्रेड गांजा बरामद किया गया।

-10 फरवरी 2026 के आसपास, 5.88 किलो हाइड्रोपोनिक गांजा (2 करोड़ रुपये) एक यात्री से बरामद किया गया, जो बैंकॉक से आया था।

-अगस्त 2025 में 23.9 किलो से अधिक गांजा जब्त किया, जिसकी कीमत 24 करोड़ रुपये थी। इसके अलावा, एक ही अवधि में 13 करोड़ और अन्य मौकों पर 5 करोड़ रुपये के ड्रग्स बरामद हुए थे।

इन इलाकों में नेटवर्क पर हुआ एक्शन, सुशांत गोल्फ सिटी, कृष्णानगर, आलमबाग, ठाकुरगंज, अमीनाबाद, गोमती नगर एक्सटेंशन

मोहल्लों तक कैसे पहुंचती नशे की खेप

ओपनिंग लाइन-नेपाल बॉर्डर से लेकर हाईवे, फिर शहर के आउटर इलाकों से होते हुए नशे का जाल लखनऊ की गलियों, मोहल्लों और युवाओं तक पहुंच रहा है।

संभावित सप्लाई रूट-नेपाल बॉर्डर बेल्ट, बहराइच, श्रावस्त, लखीमपुर, सीतापुर, बाराबंकी से लखनऊ तक।

रेलवे रूट-चारबाग, आलमनगर, ट्रांजिट स्टेशनों से छोटे कैरियर के जरिए एंट्री होती है।

सिंथेटिक और पार्टी ड्रग्स- इनकी सप्लाई के लिए हाईवे नेटवर्क का यूज हो रहा। प्रयागराज, वाराणसी, जौनपुर, सुल्तानपुर रूट से लखनऊ में एंट्री।

डार्क वेब और एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म्स

लखनऊ में ऑनलाइन नशे का कारोबार डार्क वेब और एन्क्रिप्टेड सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए संचालित हो रहा है। यूपी पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने हाल ही में कई बड़े सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है, जो न केवल स्थानीय बल्कि इंटरनेशनल स्तर पर भी एक्टिव थे।

डार्क वेब-अपराधी अपनी पहचान छिपाने के लिए अज्ञात नेटवर्क का यूज करते हैं और डार्क वेब पर प्रतिबंधित दवाओं के ऑर्डर लेते हैं।

सोशल मीडिया-ग्राहकों को लुभाने के लिए इंस्टाग्राम, टेलीग्राम और स्काई पर रेस्टोरेंट के मेन्यू जैसे विज्ञापन पोस्ट किए जाते हैं।

डिजिटल भुगतान-पकड़े जाने से बचने के लिए ये गिरोह बिटकॉइन, क्रिप्टोकरेंसी जैसे ई-वॉलेट के माध्यम से पेमेंट लेता है।

कूरियर सर्विस-दवाओं को हर्बल इम्युनिटी बूस्टर या आयुर्वेदिक दवाओं के पैकेट में छिपाकर इंटरनेशनल कूरियर सर्विस के जरिए अमेरिका और यूरोप जैसे देशों में भेजा जाता है।

कॉल सेंटर-कुछ अपराधी लखनऊ में फर्जी कॉल सेंटर चलाकर विदेशी नागरिकों का डेटा प्राप्त करते थे और उन्हें प्रतिबंधित साइकोट्रोपिक दवाएं सप्लाई करते थे।

पकड़े गए लोग और गिरोह

केस एक

शांतानु गुप्ता और अब्दुल वहाब यासिर को ईडी ने इन्हें लखनऊ से अमेरिका में प्रतिबंधित दवाएं भेजने के मामले में गिरफ्तार किया था।

केस दो

मोहम्मद मुजीब और मुकेश सिंह को दिसंबर 2025 में लखनऊ के गोसाईगंज से 80 लाख की सिंथेटिक एमडीएमए ड्रग्स के साथ पकड़े गए थे। मुजीब अपने घर पर ही सिंथेटिक ड्रग्स बनाता था।

केस तीन

भावेश चौहान (उर्फ लालू) और शोएब अशरफ पठान (उर्फ बटला) को मार्च 2026 में मुंबई के इस बड़े ड्रग नेटवर्क के तस्करों को चारबाग स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया गया, जब वे नेपाल भागने की कोशिश कर रहे थे।

केस चार

एसटीएफ ने फैजान और उसके गैंग मेंबर्स सूफियान, अशरफ खान, सार्थक वर्मा को डार्क वेब के जरिए बिटकॉइन में नशे का कारोबार करने के आरोप में पकड़ा था।

केस पांच

अप्रैल 2026 में सुशांत गोल्फ सिटी इलाके से 200 किलो गांजे के साथ गिरफ्तार किया गया, जो ओडिशा से लाया जा रहा था।

केस छह

अप्रैल 2026 में लखनऊ एयरपोर्ट से हिरासत में लिया गया, जो मेसर्स अनीस मेडिकल एजेंसीज का प्रोपराइटर है और अवैध दवा कारोबार में लिप्त था।

विश्व नृत्य दिवस पर लखनऊ के भातखंडे में स्टूडेंट्स ने अपनी प्रस्तुतियों से मोहा मन

विश्व नृत्य दिवस के अवसर पर भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय लखनऊ में बुधवार को भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वीसी प्रो. मांडवी सिंह द्वारा किया गया। इस दौरान उन्होंने नृत्य को संस्कृति, अनुशासन एवं साधना का सशक्त माध्यम बताया। कार्यक्रम के दौरान स्टूडेंट्स की ओर से शानदार विभिन्न प्रस्तुतियां भी दी गईं।

लखनऊ , (जीएनएस)। विश्व नृत्य दिवस के अवसर पर भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय लखनऊ में बुधवार को भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वीसी प्रो। मांडवी सिंह द्वारा किया गया। इस दौरान उन्होंने नृत्य को संस्कृति, अनुशासन एवं साधना का सशक्त माध्यम बताया। कार्यक्रम के दौरान स्टूडेंट्स की ओर से शानदार विभिन्न प्रस्तुतियां भी दी गईं।

शास्त्रीयता और लय का संगम प्रस्तुतियों से मोहा मन

कार्यक्रम की प्रथम प्रस्तुति गुरु वंदना इलाक्षी राठौर द्वारा प्रस्तुत की गई। इसके पश्चात भरतनाट्यम की प्रस्तुति के तहत शिव स्तुति भो शंभो पर कुशा अपूर्वा नारायण, नम्रता गौतम, खुशी मौर्य, श्वेता शुक्ला, शिंजिनी एवं अर्पिता राजपूत ने शानदार प्रस्तुति दी। इसके बाद अष्टपदी की भावपूर्ण प्रस्तुति सैयद शमशुर रहमान, दीप्ति सिंह, कीर्ति सिंह, दीपिका एवं गरिमा द्वारा दी गई।

इसके पश्चात पुष्पांजलि एवं जातिस्वरम की संयुक्त प्रस्तुति शैलेंद्र कुमार, आस्था केशरी, सोनम अवस्थी आदि द्वारा दी गई। जिसमें शास्त्रीयता और लय का सुंदर और अविस्मरणीय समन्वय देखने को मिला। संगत में डॉ। आरती नाटू (नट्टुवंगम), सुधीर कुमार (मृदंगम), ललिता गणेश (गायन), संजरी साहू (वायलिन) एवं उदित (बांसुरी) का विशेष योगदान रहा।

शानदार कथक ने मोहा मन

इसी क्रम में कथक की आकर्षक प्रस्तुति भी कार्यक्रम के दौरान दी गई। जिसमें शिव स्तोत्रम से प्रारंभ कर मत्त ताल (18 मात्राओं) में पारंपरिक कथक संरचना प्रस्तुत की गईं। समापन अष्टपदी निरतत ढंग के साथ हुआ। इस प्रस्तुति में रुंजुन, शैलेन्द्र, अन्नेशा, श्वेता, वैभवी, वल्लरी, तनिष्का एवं गर्गी ने भाग लिया। संगत में पढ़ंत एवं मंजीरा पर डॉ। रुचि खरे, तबला पर अनिर्वाण तालुकदार, हारमोनियम एवं गायन पर जौहर सर तथा बांसुरी पर उदित का योगदान रहा।

ताल पक्ष की प्रस्तुति

वहीं, कार्यक्रम के द्वितीय चरण में शिव वंदना अंशिका त्रिपाठी, कृति सिंह तोमर, दर्शिका पाठक, प्रज्ञा पाठक एवं योगिता त्रिपाठी द्वारा प्रस्तुत की गई। इसके बाद ताल पक्ष (द्रुत लय) की ऊजार्वान प्रस्तुति दिव्या रावल, प्रिया कश्यप, कावेरी आदि ने दी। सभी कलाकारों का वहां मौजूद दर्शकों ने उत्साहवर्धन किया।

लखनऊ में पुरानी इमारतें तोड़ नए कॉम्प्लेक्स बनाएगा एलडीए, पुनर्विकास नीति के तहत होगा कायाकल्प

लखनऊ , (जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश शहरी पुनर्विकास नीति 2026 के तहत किसी भी भवन को तोड़कर नया बनाने के पहले वहां के 60 प्रतिशत आवंटियों की सहमति आवश्यक है। सहमति जुटाने के लिए ही पहले सर्वे किया जाएगा। इसके बाद डिजाइन और ड्राइंग तय की जाएगी।

वजीर हसन रोड के अपार्टमेंट की तरह ही एलडीए शहर के कई पुराने व बदहाल कॉम्प्लेक्स और इमारतों को तोड़कर उत्तर प्रदेश शहरी पुनर्विकास नीति 2026 के तहत नया सिरे से बनाएगा। इसके लिए पहले सर्वे किया जाएगा। कहां पर किस तरह नई बिल्डिंग बनाई जाए, इस पर मंथन के लिए एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने आर्किटेक्टों के साथ बैठक भी की है।

उत्तर प्रदेश शहरी पुनर्विकास नीति 2026 के तहत किसी भवन को तोड़कर नया बनाने के पहले वहां के 60 प्रतिशत आवंटियों की सहमति आवश्यक है। सहमति जुटाने के लिए ही पहले सर्वे किया जाएगा। इसके बाद डिजाइन और ड्राइंग तय की जाएगी। जिन भवनों को तोड़कर नया बनाने की योजना है, उनमें ज्यादातर में अवैध कब्जे हैं और इमारत बदहाली का शिकार है। कब्जा खाली कराने और भवन तोड़ने के लिए एलडीए कई वर्ष से मंथन कर रहा है।

पहले ऐसी इमारतों के पुनर्विकास के लिए कोई अधिकृत नीति नहीं थी। इसी वजह से प्रस्ताव को अमली जामा नहीं पहनाया जा सका। अब उत्तर प्रदेश शहरी पुनर्विकास नीति 2026 बनने से एलडीए ने इस दिशा में कार्रवाई को आगे बढ़ाया है। इस योजना पर आगे की रणनीति तय करने के लिए एलडीए सात मई को फिर से बैठक करने जा रहा है।

भवनों के पुनर्विकास के लिए पहले ये काम होंगे

- सभी योजनाओं में आवंटियों से सहमति पत्र लिए जाएंगे।
- सभी भवनों का मौके पर जाकर सर्वे किया जाएगा।
- नंदा खेड़ा कॉम्प्लेक्स के आवंटियों को पैसे वापस किए जाएंगे क्योंकि यह एकल भूखंड के रूप में विकसित किया जाएगा।
- गोमतीनगर स्थित उजाला मार्केट का सर्वे किया जाएगा और एकल व्यावसायिक भूखंड विकसित किया जाएगा।
- कैलाश कुंज में कैंप लगाकर आवंटियों को जागरूक किया जाएगा और सहमति पत्र लिए जाएंगे।
- तिलक नगर, कंचन मार्केट और पेपर मिल कॉलोनी का पहले वीसी निरीक्षण करेंगे। इसके बाद पुनर्विकास नीति पर अमल के लिए निर्णय लिया जाएगा।

इन इमारतों को तोड़कर नया बनाने की है योजना

- अलीगंज सेक्टर जी कॉम्प्लेक्स।
- कैलाश कुंज कॉम्प्लेक्स अयोध्या रोड।
- ईडब्ल्यूएस भवन सेक्टर जी कानपुर रोड।
- कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स अवध चौराहा।
- उजाला मार्केट विवेक खंड गोमतीनगर।
- विकास दीप कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स हुसैनगंज।
- नंदखेड़ा कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स तालकाटोरा रोड।

एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार का कहना है कि जो पुराने कॉम्प्लेक्स या भवन जर्जर और अवैध कब्जे का शिकार हैं उनको उत्तर प्रदेश शहरी पुनर्विकास नीति 2026 के तहत नए सिरे से बनाया जा सकता है। इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इस नीति से उन लोगों को भी फायदा होगा जो वहां पर अभी खराब स्थिति में रह रहे हैं या व्यवसाय कर रहे हैं।

'सर, तुरंत सीआरपीएफ भेज दीजिए, ये लोग वोटर नहीं हैं',भवानीपुर में बवाल के बीच शुभेंदु अधिकारी ने किसको घुमाया फोन?

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के दूसरे चरण के तहत भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में मतदान के दौरान उस समय स्थिति अनियंत्रित हो गई, जब वार्ड 73 के बूथ नंबर 217 और 218 के बाहर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (TMC) और भारतीय जनता पार्टी (BJP) के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए।

मतदान केंद्र के बाहर बड़ी संख्या में जमा हुए दोनों दलों के समर्थकों के बीच पहले तीखी नोकझोंक हुई, जिसने देखते ही देखते हिंसक झड़प का रूप ले लिया। पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई, जिससे अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करने आए सामान्य मतदाताओं में भय व्याप्त हो गया। तनाव इतना बढ़ गया कि सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस को अंततः कड़े कदम उठाने पड़े।

नारेबाजी से शुरू हुआ बवाल

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद की शुरूआत नारेबाजी से हुई। दोनों पक्षों के कार्यकर्ता आमने-सामने खड़े होकर एक-दूसरे के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। बहस ने जल्द ही धक्का-मुक्की का रूप ले लिया, जिससे बूथ परिसर के बाहर का माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया। आसपास के लोग और वोट डालने आए नागरिक इस हंगामे को देख सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे।

पुलिस और प्रशासन को रोकने की कोशिश

घटना की सूचना मिलते ही जब स्थानीय पुलिस बल मौके पर पहुंचा, तो उन्हें भारी विरोध का सामना करना पड़ा। स्थानीय वार्ड प्रतिनिधि काजरी बनर्जी के नेतृत्व में ळटउ कार्यकर्ताओं ने पुलिस को इलाके में प्रवेश करने से रोकने के लिए सड़क पर एक 'मानव श्रृंखला' बना ली। इस घेराबंदी के कारण सुरक्षा बल काफी देर तक बूथ तक नहीं पहुंच सके, जिससे स्थिति और अधिक बिगड़ती गई।

लाठीचार्ज और हिरासत की कार्रवाई

अंत में पुलिस ने बल प्रयोग करते हुए कार्यकर्ताओं द्वारा बनाई गई मानव श्रृंखला को तोड़ा और इलाके में प्रवेश किया। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया, जिससे वहां भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। पुलिस ने गलियों में तलाशी अभियान चलाकर कई संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया है।

किसको मिलाया शुभेंदु अधिकारी ने फोन

मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने दोनों दलों के समर्थकों को काबू में करने की कोशिश की, लेकिन नारेबाजी बढ़ने के साथ ही माहौल और गर्म हो गया। दोनों पक्षों के लोग बड़ी संख्या में बूथ के आसपास जमा हो गए, जिससे तनाव और बढ़ गया। इस बीच शुभेंदु अधिकारी ने मीडिया से बात करते हुए चुनाव आयोग के अधिकारियों से संपर्क किया और स्थिति की शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि उन पर हमला किया गया है और भाजपा कार्यकर्ताओं को मतदान प्रक्रिया में रोका जा रहा है।

उन्होंने कहा, "मुझ पर हमला हुआ है। तुरंत ज्यादा केंद्रीय बल भेजे जाएं ताकि मतदाता बिना डर के अपना वोट डाल सकें।" शुभेंदु अधिकारी ने इलाके में अतिरिक्त उपद्धऋजवानों की तैनाती की मांग भी की। उनका कहना था कि विपक्षी कार्यकर्ताओं और मतदाताओं को डराने की कोशिश की जा रही है।

सुरक्षा की मांग और केंद्रीय बलों की तैनाती

हंगामे के दौरान ळटउ कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से मांग की कि काजरी बनर्जी को सुरक्षित स्थान पर ले जाया जाए, क्योंकि उन्हें अपनी सुरक्षा का खतरा महसूस हो रहा था। हालांकि, उस समय पुलिस कार्रवाई में व्यस्त थी। बाद में स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए केंद्रीय सुरक्षा बलों (CAPF) की एक अतिरिक्त टीम को तैनात किया गया। केंद्रीय बलों ने मोर्चा संभालते ही सख्त रुख अपनाया और लाठीचार्ज कर भीड़ को पूरी तरह खदेड़ दिया, जिसके बाद मतदान प्रक्रिया दोबारा सुचारू रूप से शुरू हो सकी।

इजराइल का हिजबुल्लाह पर बड़ा प्रहार, 3 आतंकी ढेर, ईरान ने अमेरिका को कहा 'समुद्री डकैत'

(जीएनएस)।

इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच बढ़ती जंग ने मध्य पूर्व में भारी अस्थिरता पैदा कर दी है। एक तरफ जहां इजराइली सेना लेबनान में हवाई हमले तेज कर रही है, वहीं दूसरी तरफ ईरान और अमेरिका के बीच समुद्री विवाद गहरा गया है।

तेल बाजार में यूएई (UAE) के बड़े फैसले और लाल सागर में बढ़ते तनाव ने दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। हजारों की संख्या में हो रही मौतों और विस्थापन ने इस संघर्ष को एक गंभीर मानवीय संकट में बदल दिया है, जिसका असर अब सिर्फ इस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा।

इजराइल की हिजबुल्लाह पर बड़ी कार्रवाई

इजराइली सेना (IDF) ने दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के तीन आतंकियों को मार गिराया है, जो इजराइली सैनिकों पर हमला करने की फिराक में थे। इस कार्रवाई के बाद इजराइल ने कई लेबनानी गांवों को खाली करने का आदेश दिया है, क्योंकि उसका दावा है कि हिजबुल्लाह इन रिहायशी इलाकों का इस्तेमाल हमलों के लिए कर रहा है। सीमा पर लगातार बढ़ती गोलीबारी और हवाई हमलों ने लेबनान में आम लोगों के लिए जीवन बेहद मुश्किल बना दिया है।

ईरान ने अमेरिका पर लगाया 'पायरेसी' का आरोप

ईरान ने संयुक्त राष्ट्र (वठ) में अमेरिका की कड़ी निंदा की है। ईरानी राजदूत अमीर सईद इरावानी ने अमेरिकी सेना द्वारा ईरानी जहाजों को जब्त किए जाने को 'समुद्री डकैती' या 'पायरेसी' करार दिया है। ईरान का कहना है कि अमेरिका अपने घरेलू कानूनों का हवाला देकर अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में अवैध कार्रवाई कर रहा है। वहीं कतर ने भी चेतावनी दी है कि समुद्री रास्तों को राजनीतिक सौदेबाजी के लिए इस्तेमाल करना वैश्विक व्यापार के लिए खतरनाक है।

जंग की भारी मानवीय कीमत

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस संघर्ष में अब तक 2,500 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और हजारों घायल हैं। इस युद्ध की चपेट में सिर्फ लड़ाके ही नहीं, बल्कि इजराइली सैनिक, आम नागरिक और संयुक्त राष्ट्र के शांतिदूत भी आ रहे हैं। मौतों का यह बढ़ता आंकड़ा इस क्षेत्र में भीषण मानवीय संकट की ओर इशारा कर रहा है। अगर युद्ध जल्द नहीं रुका, तो विस्थापन और तबाही का मंजर और भयावह हो सकता है।

तेल बाजार और अर्थव्यवस्था पर असर

ऊर्जा की दुनिया से एक चौंकाने वाली खबर आई है कि यूएई (UAE) 1 मई को तेल उत्पादक देशों के संगठन 'ओपेक' (OPEC) से अलग हो जाएगा। यूएई अब स्वतंत्र रूप से तेल उत्पादन करना चाहता है। जानकारों का मानना है कि ओपेक के कमजोर होने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव आ सकता है। 'होर्मुज जलडमरूमध्य' में तनाव और यूएई के इस फैसले ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की चिंता बढ़ा दी है।

गुजरात के साबरकांठा में सड़क हादसा, बस ने ईको कार को मारी टक्कर, 6 लोगों की मौत

(जीएनएस)।

गुजरात के साबरकांठा जिले से एक हृदयविदारक खबर सामने आई है। अहमदाबाद-उदयपुर नेशनल हाईवे पर आज सुबह एक निजी बस और ईको कार के बीच हुई भीषण भिड़ंत में 6 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।

हादसा इतना भयानक था कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोगों को बाहर निकालने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। यह दुखद घटना गांभोई पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत आने वाले जसवंतगढ़ पाटिया के पास घटित हुई।

कैसे हुआ हादसा?

शुरूआती जानकारी के अनुसार, ईको कार शामलाजी से हिम्मतनगर की ओर जा रही थी। नेशनल हाईवे पर जसवंतगढ़ पाटिया के पास, पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार निजी बस ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह से पिचक गई।

शॉर्टकट बना काल एक ही झटके में 6 जिदंगयां खत्म होगई। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, कार चालक हाईवे पर एक अवैध कट से शॉर्टकट लेने की कोशिश कर रहा था, तभी पीछे से आ रही बस ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। कार में सवार सभी 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मरने वाले सभी लोग अरवल्ली जिले के मोडासा तालुका के सरडोई गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई

घटना की सूचना मिलते ही गांभोई पुलिस का काफिला और एंबुलेंस की टीमें मौके पर पहुंच गईं। बरकांठा के डिप्टी एसपी (ऊढ) ए.के. पटेल ने पुष्टि की कि हादसे में 6 लोगों की जान चली गई है। उन्होंने बताया कि घायल यात्रियों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया है। कार के मलबे में फंसे शवों को निकालने के लिए कटर का इस्तेमाल करना पड़ा। घायलों को हिम्मतनगर के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहा कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

हाईवे पर लगा लंबा जाम, सुरक्षा पर उठे सवाल

हादसे के बाद अहमदाबाद-उदयपुर नेशनल हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और काफी देर तक यातायात बाधित रहा। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया, जिसके बाद आवाजाही सामान्य हो सकी। इस हादसे ने एक बार फिर नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार और अवैध कटों की समस्या को उजागर कर दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस रूट पर बसें अक्सर निर्धारित गति सीमा से अधिक तेज चलती हैं, जिससे आए दिन ऐसे हादसे होते रहते हैं।